CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 216 ता. 21 फरवरी 2022, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

अरूणाचल के साथ सीमा विवाद पर बोले असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा

एजेंसी । असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार अरुणाचल प्रदेश के साथ दशकों पुराने सीमा विवाद के लिए हल के लिए वह सब करने को तैयार है जो इसके लिये आवश्यक होगा। अरूणाचल प्रदेश के 36 वें स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम में सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह ने सभी पूर्वोत्तर राज्यों से वार्ता के माध्यम से सीमा विवाद सुलझाने का निर्देश दिया है ताकि यह क्षेत्र देश के विकास के लिए एकजुट रहे। असम के सीएम ने कहा, '' इस मुद्दे के समाधान के लिए जो भी जरुरी है , असम सरकार वह करने को तैयार है ताकि पड़ोसी राज्यों के बीच सौहार्द्रपूर्ण संबंध बना रहे। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के बीच सरकार के स्तर पर बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, '' तार्किक परिणति तक पहुंचने के लिए अप्रैल से हम जमीनी स्तर पर उपयुक्त वार्ता के माध्यम से गंभीर प्रक्रिया शुरू करेंगे। सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह ने सभी पूर्वोत्तर राज्यों को अदालत के रास्ते समाधान पाने के बजाय वार्ता के माध्यम से सीमा विवाद सुलझाने का निर्देश दिया है ताकि यह क्षेत्र एकजुट रहे तथा देश का 'विकास इंजन बने। पूर्वोत्तर लोकतांत्रिक गठबंधन के संयोजक सरमा ने कहा, '' हमारा प्रयास देश के बाकी हिस्से के लिए पूर्वोत्तर की पहचान अक्षुण्ण रखना है। इस बीच, अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि दोनों सरकारें अंतर्राज्यीय सीमा विवाद को सुलझाने के लिए काम कर रही है। अरूणाचल प्रदेश असम को काटकर बनाया गया था और दोनों प्रदेशों के बीच 800 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा मिलती है। सरमा ने कहा कि कार्यक्रम के लिए उन्हें न्यौता देकर अरूणाचल प्रदेश ने असम के लोगों का सम्मान किया है।

संजय राउत का नारायण राणे पर बड़ा हमला, कहा- आपकी कुंडली हमारे पास है यह ना भूलें, हम आपके बाप हैं

एजेंसी । शिवसेना नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने एक बार फिर से भाजपा पर निशाना साधा। शिवसेना नेता ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के दावों पर कहा नारायण राणे धमकी दे रहे हैं कि उनके पास हमारी कुंडली है। धमकियां ना दें.आपकी भी कुंडली हमारे पास है। आप केंद्रीय मंत्री हो सकते हैं लेकिन यह महाराष्ट्र है, यह ना भूलें. हम आपके बाप हैं , इसका मतलब आप बखूबी जानते हैं। वहीं दूसरी तरफ, केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के एक बंगले को लेकर बृहन्मुंबई महानगर पालिका ने नोटिस जारी है। नोटिस में कहा गया है कि की एक टीम परिसर का निरीक्षण करेगी और तस्वीरें खींचेगी। इतना ही नहीं संजय राउत ने बीजेपी नेता किरीट सौमैया पर निशाना साधते हुए कहा कि आप (किरीट सोमैया) घोटाले के दस्तावेज केंद्रीय एजेंसियों को दें, मैं आपके दे दूंगा, धमकी मत दो, हम डरेंगे नहीं। पालघर में उनके 260 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। यह किरीट सौमैया के बेटे के नाम पर है, उनकी पत्नी निदेशक हैं। इसकी जांच होनी चाहिए कि उन्हें पैसे कैसे मिले? दरअसल, महाराष्ट्र इकाई के नेता किरीट सोमैया ने रायगढ़ में पत्नी रश्मि ठाकरे से कथित रूप से जुड़े बंगलों से संबंधित मामले की जांच की मांग की थी। पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे से कथित रूप से जुड़े बंगलों से संबंधित मामले की जांच की मांग की थी।

मोदी ने चौथे चरण के लिए उन्नाव में को जनसभा को संबोधित

पंजाब में चन्नी के बयान को लेकर यूपी में सियासत गर्म, पीएम मोदी ने साधा कांग्रेस-सपा पर निशाना

एजेंसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौथे चरण के लिए उन्नाव में को जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने सपा, कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले पंजाब में वोट पाने के लिए यूपी के गरीब, दलित, पिछड़ों को गाली दिलवाई गई, तालियां बजाई गई। लेकिन यहां के घोर परिवारवादियों ने दिखावे के लिए भी उसका विरोध नहीं किया। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एक पार्टी का अध्यक्ष यूपी की पुलिस को, हमारे इन सिपाहियों को किस भाषा में अपमानित कर रहा है, उसका वीडियो आज घर घर देखा जा रहा है। मंच से दी गई वो गालियां, वो धमकी सिर्फ यूपी की पुलिस के लिए नहीं थी। वो अपने उन दंगाई, दबंग और माफिया दोस्तों की हिम्मत बढ़ाने का प्रयास था। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये परिवारवादी लोग कुछ क्षेत्रों को अपना साम्राज्य समझते हैं। ये सोचते हैं कि जो ये कहेंगे जनता वही करेगी। लेकिन इन लोगों को आज तीसरे चरण में उत्साह के साथ मतदान कर रही उत्तर प्रदेश की जनता कह रही है- आएगी तो भाजपा ही, आएंगे तो योगी ही। उन्होंने कहा कि इन घोर परिवारवादियों की सरकार में संगीन अपराधों के आरोपी और माफिया मंत्रिमंडल का हिस्सा थे। तब माफिया ही सरकार चलाते थे। प्रशासन को भी सीधा आदेश देते थे - न खाता न बही, जो माफिया और गुंडे कहेंगे, वही सही। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस सीट को ये लोग सबसे सुरक्षित मानकर बैठे थे, वो भी हाथ से निकल रही है। आपने देखा होगा, जिस पिता को मंच से धक्के देकर हटाया था, जिसे अपमानित करके पार्टी पर कब्जा जमाया था, उसी से गुहार लगानी पड़ी की मेरी सीट बचाइए। उन्होंने कहा कि मैं अपनी बात एक कहावत के साथ शुरू करना चाहता हूं और ये कहावत घोर परिवारवादियों पर सटीक बैठती है- थोथा चना, बाजे घना। आजकल मैं देख रहा हूं कि ये घोर परिवारवादी भी खूब डींगें हांक रहे हैं। ये कहावत घोर परिवारवादियों पर सटीक बैठती है- थोथा चना, बाजे घना।

आजकल मैं देख रहा हूं कि ये घोर परिवारवादी भी खूब डींगें हांक रहे हैं।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

एजेंसी । भारत और संयुक्त अरब अमीरात (श्च) के बीच व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (स्रञ्ज) से रत्न एवं आभूषण जैसे करीब 26 अरब डॉलर मूल्य के घरेलू उत्पादों को फायदा मिलने की संभावना है। इन पर अभी खाड़ी देश में पांच प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाता है। एक अधिकारी ने भारत-यूएई स्रञ्ज से जुड़े लाभों को रेखांकित करते हुए कहा कि इस करार से श्रम-गहन क्षेत्रों मसलन कपड़ा, चमड़ा, जूते-चप्पल, खेल का सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि और लकड़ी के उत्पाद, इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों तथा वाहन जैसे उद्योगों को काफी लाभ होगा। अधिकारी ने कहा कि सेवा क्षेत्र की बात की जाए, तो इस करार से कंप्यूटर से संबंधित सेवाएं, ऑडियो-विजुअल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, यात्रा, नर्सिंग, इंजीनियरिंग और लेखा सेवाओं को भी प्रोत्साहन मिलेगा। भारत और श्च ने 18 फरवरी को वृहद आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य पांच साल की अवधि में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचाना और लाखों रोजगार के अवसरों का सृजन करना है। अधिकारी ने कहा कि श्च पहले से ही भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। 2019-20 में श्च को भारत का निर्यात लगभग 29 अरब डॉलर रहा था। यूएई के साथ सीईपीए से लगभग 26 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय उत्पादों को लाभ होने की संभावना है। इन उत्पादों पर यूएई में पांच प्रतिशत का आयात शुल्क लगता है। अनुमानों के अनुसार, 2023 में सोने और स्वर्ण-जड़ित आभूषणों का निर्यात बढ़कर 10 डॉलर हो जाएगा और भारत द्वारा सोने जैसे उत्पादों में श्च को दी जाने वाली शुल्क रियायतों से उत्पादन सामग्री के आयात लागत कम हो जाएगी। अगले पांच सालों में कपड़ा निर्यात मेंदो डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि का अनुमान है। दो डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि का अनुमान है। दो डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि का अनुमान है।

राहुल गांधी सोमवार को पहली बार मणिपुर में करेंगे चुनाव प्रचार

एजेंसी ।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को मणिपुर में एक जनसभा को संबोधित करने के साथ ही पार्टी के सहयोगी दलों के नेताओं से बातचीत करेंगे। गांधी 28 फरवरी और पांच मार्च को दो चरणों में होने वाले मणिपुर विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार के तहत पार्टी नेताओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। मणिपुर चुनाव के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक जयराम रमेश ने कहा, '' राज्य में 2002 और केंद्र में 2004 में कांग्रेस की सरकार बनी। इस बार इतिहास दोहराया जायेगा। मणिपुर में 2022 और केंद्र में 2024 में कांग्रेस की सरकार सत्ता में आयेगी। कांग्रेस नेता ने राज्य में एन बीरेन सिंह सरकार को पूरी तरह से विफल करार दिया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री भक्त चरण दास ने कहा कि श्री गांधी इंफाल के शहीद मीनार पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे, जहां 1891 के एंग्लो-मणिपुर युद्ध के बाद राजकुमार टिकेंद्रजीत और जनरल थंगल को फांसी दी गयी थी। गांधी नुपी में मणिपुर की महिला स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देंगे। उन्होंने कहा कि कोविड पाबंदियों के मद्देनजर कांग्रेस दूरदराज के स्थानों में लोगों को कार्यक्रमों को लाइव दिखाने के लिए विशेष व्यवस्था करेगी।

धर्म और जाति के नाम पर वोट मांगने वाले नेताओं से सावधान रहें : प्रियंका गांधी

एजेंसी । कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को जनता से धर्म और जाति के नाम पर वोट मांगने वाले नेताओं से सावधान करने की अपील की। वाद्रा ने रायबरेली के जगतपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते जनता से अपने हक के लिए जागरुक होने का आह्वान किया। वाद्रा ने कहा,'' एक तरफ प्रदेश में हुनर है, नौजवान हैं, उपजाऊ जमीन है, दूसरी तरफ किसानों की परेशानी, महिलाओं पर अत्याचार, बेरोजगारी, दलितों पर अत्याचार है। यह सब के यों हो रहा है क्योंकि जो राजनीति आपके सामने आई है, वह सिर्फ आपको गुमराह करने वाली राजनीति है। वाद्रा ने कहा,'' जो नेता हैं, वे समझ नहीं रहे कि उनका काम क्या है। वे सोच रहे हैं कि पांच साल बाद यहां आएंगे, धर्म की बात करेंगे, आपके जज्बातों को उभारेंगे, आपको असुरक्षित महसूस कराएंगे, आपकी जाति की बात करेंगे और आपका वोट पा लेंगे। कांग्रेस महासचिव ने कहा, कोई यह नहीं सोच रहा कि अगर मैं काम नहीं करूंगा, मैं छोटे दुकानदारों की मदद नहीं करुंगा, यहां की सड़कें नहीं बनाऊंगा, यहां के लिए शिक्षण संस्थान नहीं बनाऊंगा तो मुझे वोट नहीं मिलेगा, सब सोच रहे हैं कि धर्म, जाति के नाम पर आपसे वोट ले लेंगे। कांग्रेस नेता ने डीजल-पेट्रोल के बढ़ते दाम और महंगाई का जिक्र करते हुए,'' पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ने का उचित दाम नहीं मिलता और सबसे बड़ी समस्या लावारिस पशुओं की है जो आपके खेतों को चर रहे हैं।

पंजाब चुनावः सोनू सूद का बड़ा आरोप, बहुत सारे बूथ में पैसे बांटे जा रहे हैं

एजेंसी । पंजाब में आज विधानसभा के चुनाव हो रहे है। इस बीच चुनाव आयोग ने एक्टर सोनू सूद को मोगा में मतदान केंद्रों पर जाने से रोक दिया है, यहां से उनकी बहन कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। दरअसल सोनू पर आरोप हैं कि उन्होंने वोटरों को प्रभावित करने की कोशिश की है। इस बाबत शिरोमणि अकाली दल द्वारा शिकायत की गई थी। जिसके बाद चुनाव आयोग ने कार्वाई की। इतना ही नहीं सोनू सूद की कार को भी जब्त कर लिया गया है। वहीं, सोनू सूद ने इन आरोपों का खंडन किया है और कहा कि वो सिर्फ मतदान केंद्रों के बाहर कांग्रेस के बूथों का दौरा कर रहे थे। सोनू का कहना है कि बहुत से लोग विशेष रूप से अकाली दल के लोग डरा रहे हैं, बहुत सारे बूथ में पैसे बांटे जा रहे हैं। जब चुनाव होते हैं तो पारदर्शी चुनाव होना चाहिए। मैंने साहब को शिकायत की है। हमारी गाड़ी वहां पर है, दूसरी गाड़ी से हम आ गए हैं। जब चुनाव होते हैं तो पारदर्शी चुनाव होना चाहिए। मैंने साहब को शिकायत की है। हमारी गाड़ी वहां पर है, दूसरी गाड़ी से हम आ गए हैं।

केरल में कोरोना के सामने आए 5,427 नए मामले, , संक्रमण से 92 लोगों ने तोड़ दम

एजेंसी । केरल में रविवार को कोविड-19 के 5427 नए मरीज मिले, जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 64,68,990 हो गई। राज्य सरकार ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। शनिवार को इस दक्षिणी राज्य में कोविड-19 के 6757 मामले सामने आये थे। राज्य में नये मामले में गिरावट जारी है। सरकारी विज्ञप्ति में बताया गया कि राज्य में संक्रमण से 92 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 64,145 हो गई है। इनमें से कोविड-19 से मौत के कुछ मामले पहले के हैं। राज्य सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में नौ मरीजों की मौत हुई तथा 39 लोगों ने पिछले कुछ दिनों में दम तोड़ा था, लेकिन दस्तावेज देरी से प्राप्त होने के कारण इन मामलों को दर्ज नहीं किया जा सका था। केंद्र के नए दिशानिर्देशों और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद अपील के आधार पर 44 और मौत के मामलों को कोविड-19 से हुई मृत्यु के मामलों में शामिल किया गया। विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार को राज्य में 14334 कोविड-19 मरीज ठीक हुए। राज्य में अब तक 63,38,031 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। फिलहाल 66,018 उपचाराधीन मरीज हैं।

मोदी का नमक खाया है, धोखा नहीं देंगे...पीएम ने हरदोई में किया बुजुर्ग महिला का जिक्र

एजेंसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने को चौथे चरण में होने वाले चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश के हरदोई और उन्नाव में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। पीएम मोदी ने हरदोई में जनसभा को संबोधित करते हुए एक महिला का जिक्र किया। इस वीडियो में महिला तीसरे चरण के मतदान की बात कर रही है, यह वीडियो अखिलेश यादव के गृह जिले इटावा का बताया जा रहा है। वीडियो में महिला ने कहा कि मोदी का नमक खाया है, धोखा नहीं देंगे। दरअसल, यूपी के तीसरे चरण के लिए रविवार को यानी 20 फरवरी को मतदान संपन्न हुआ है । बुजुर्ग महिला के वीडियो का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मेरे पास एक वीडियो पहुंचा है, जिसमें एक बुजुर्ग मां से पूछा गया है कि पता है चुनाव है। मां ने सही तारीख बताई। चुनाव है 20 तारीख को वोट पड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पत्रकार आगे कोई सवाल करे उससे पहले महिला ने कहा कि नमक खाया है, धोखा नहीं देंगे। बुजुर्ग महिला से फिर पूछा गया, किसको धोखा नहीं दोगी? तो जवाब मिला मोदी का नमक खाया है। पत्रकार ने फिर पूछा मोदी ने ऐसा क्या किया है? गरीब बुजर्ग गरीब मां ने उत्तर दिया, मोदी ने राशन दिया हमें। महिला आगे कहती है कि उनका खा रहे हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि ये मेरा सौभाग्य है, ये बूढ़ी मां जो कभी मुझे मिली नहीं है वो मां मुझे इतना आशीर्वाद दे रही है। बता दें कि कोरोना काल में केंद्र सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है। इस योजना का लाभ गरीब लोगों को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में फ्री राशन एक बड़ा मुद्दा बन गया है। जिसके सहारे बीजेपी चुनाव में बेड़ा पार करना चाहती है।

कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान केंद्र सरकार ने 80 करोड़ परिवारों को फ्री राशन दे रही है। यह योजना मार्च पहली लहर और वर्ष 2021 में कोरोना की दूसरी लहर में करोड़ों लोगों को अपनी रोजी-रोटी से हाथ धोना पड़ा था।

अब 30 नहीं 40 स्टार प्रचारक उतार सकेंगी पार्टियां , ईसी का बड़ा फैसला

नई दिल्ली।

कोविड-19 मामलों में कमी का हवाला देते हुए निर्वाचन आयोग ने रविवार को स्टार प्रचारकों की उस संख्या को बहाल कर दिया, जो एक पार्टी पांच राज्यों में हो रहे चुनावों में प्रचार के लिए मैदान में उतार सकती है। अब मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तर की पार्टियां अधिकतम 40 स्टार प्रचारकों को मैदान में उतार सकती हैं। अन्य पार्टियां जो पंजीकृत हैं, लेकिन मान्यता प्राप्त नहीं हैं, अब 20 स्टार प्रचारकों को प्रचार के लिए उतार सकती हैं। आयोग ने अक्टूबर 2020 में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तर के दलों के लिए स्टार प्रचारकों की संख्या 40 से घटाकर 30 कर दी थी, क्योंकि कोरोना वायरस महामारी के बीच बिहार विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में उपचुनावों के प्रचार के दौरान काफी भीड़ देखी गई थी। आयोग ने राजनीतिक दलों को लिखे एक पत्र में कहा, ''कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों और नये मामलों की संख्या घट रही है और केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा महामारी के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों को धीरे-धीरे हटाया जा रहा है ...निर्वाचन आयोग ने उचित विचार-विमर्श के बाद स्टार प्रचारकों की संख्या की अधिकतम सीमा बहाल करने का निर्णय लिया है। पत्र में कहा गया है कि अब मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तर के राजनीतिक दलों के लिए स्टार प्रचारकों की संख्या की अधिकतम सीमा ''40 होगी और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अलावा अन्य के लिए यह 20 होगी। इसमें कहा गया है कि मणिपुर विधानसभा चुनाव के दोनों चरणों, उत्तर प्रदेश चुनाव के चरण 5, 6 और 7 और असम में माजुली विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए अतिरिक्त स्टार प्रचारकों की सूची निर्वाचन आयोग या संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारी को 23 फरवरी की शाम पांच बजे तक सौंपी जा सकती है।

चंद्रशेखर राव ने ठाकरे से मुंबई में मुलाकात की, दोनों मुख्यमंत्रियों ने कहा- देश में बदलाव की जरूरत है

एजेंसी । तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ समान विचारधारा वाले दलों को एक साथ लाने की कोशिश के तहत रविवार को महाराष्ट्र के अपने समकक्ष उद्धव ठाकरे से यहां उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बदलाव को वक्त की जरूरत बताया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास वर्षा में दो घंटे की बैठक के बाद, दोनों नेताओं ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया, जहां राव ने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है और वे अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दलों के नेताओं से बात करने के बाद फिर मिलेंगे। उन्होंने कहा, हमने आजादी के 75 साल बाद देश के समक्ष राजनीतिक स्थिति, विकास के मुद्दों पर चर्चा की। भाजपा पर हमला करते हुए ठाकरे ने कहा कि मौजूदा समय में बदले की राजनीति न तो हिंदुत्व है और न ही भारतीय संस्कृति है और स्थिति को बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा ही माहौल बना रहा तो देश का भविष्य क्या होगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि राव के साथ उनकी चर्चा इन्हीं मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती रही। शिवसेना प्रमुख ने कहा कि देश का विकास प्राथमिकता है और राज्यों को भी एक दूसरे के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने की जरूरत है। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा, बदले की राजनीति अच्छी नहीं है। अपने कार्यकाल के दौरान विकास के मुद्दों पर बोलने के बजाय राजनीतिक विरोधियों के बारे में झूठ और गलत सूचना फैलाई जाती है। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के मुखिया राव ने कहा कि ठाकरे और उन्होंने माना कि देश में बदलाव की जरूरत है। राव के मुताबिक, सभी को सद्भाव में सह-अस्तित्व से रहना चाहिए। उन्होंने कहा, आगे की राह पर अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दलों से बात करने के बाद हम फिर मिलेंगे। महाराष्ट्र से लिया गया रास्ता हमेशा सफलता की ओर ले जाता है। यह एक अच्छी शुरुआत है और यह लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। राव ने कहा कि उन्होंने ठाकरे को हैदराबाद आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा, तेलंगाना और महाराष्ट्र 1,000 किलोमीटर की सीमा साझा करते हैं। हमें राज्यों और देश दोनों के विकास के लिए एक दूसरे के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने की जरूरत है। ठाकरे के निमंत्रण पर यहां पहुंचे राव ने कहा कि वह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री विकास से जुड़े मुद्दों और देश में ढांचागत बदलाव की जरूरत पर सहमत हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना ने रविवार को कहा कि बैठक से भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक दलों को एक साथ लाने की प्रक्रिया तेज होगी। बैठक में मौजूद लोगों में शिवसेना सांसद संजय राउत, पार्टी प्रवक्ता अरविंद सावंत, राज्य के मंत्री एकनाथ शिंदे, सुभाष देसाई और मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव आशीष कुमार सिंह शामिल थे। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी तस्वीरों में उद्धव ठाकरे के छोटे बेटे तेजस ठाकरे भी नजर आ रहे हैं। राव के साथ मौजूद रहने वाले प्रमुख चेहरों में अभिनेता प्रकाश राज भी शामिल थे। ठाकरे से मुलाकात के बाद राव राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार के आवास पर गए, जिनकी पार्टी महाराष्ट्र में शिवसेना और कांग्रेस के साथ सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। ठाकरे ने भाजपा की कथित जनविरोधी नीतियों के को बनाए रखने के लिए राव की लड़ाई को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। कई मुद्दों पर भाजपा और केंद्र की आलोचना करने वाले तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह भाजपा और राजग सरकार के खिलाफ विभिन्न राजनीतिक दलों को एकजुट करने के प्रयासों के तहत महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के अपने समकक्षों से मुलाकात करेंगे।

सूरत भूमि, सूरत। डिंडोली के उमा प्लाज़ा में उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज अग्रणी गुलजारीलाल उपाध्याय जी 50 वें जन्मदिन के उपलक्ष में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश का प्रसिद्ध व्यंजन बाटी चोखा का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर वार्ड नंबर 27 के पार्षद भाईदास पाटील एवं उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज अग्रणी मनोज शुक्ला, सज्जन उपाध्याय, विजय पाण्डेय, शंकर दूबे,अजय दूबे, ज्ञानप्रकाश श्रीवास्तव, तथा समाज के अन्य लोग भी उपस्थित थे।

अहमदाबाद विस्फोट के तीन दोषियों का दावा : वादा-माफ गवाह ने ईर्ष्या, द्वेष के कारण विरोध में गवाही दी

एजेंसी।

गुजरात के अहमदाबाद में 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में मौत की सजा पाने वाले तीन दोषियों ने दावा किया है कि एक वादा-माफ गवाह (अपूवर) ने ईर्ष्या, द्वेष और उनके धार्मिक संप्रदायों पर मतभेद के कारण उनके खिलाफ गवाही दी थी। मामले का एक आरोपी अयाज सैयद सरकारी गवाह बन गया था और उसका बयान अन्य आरोपियों के खिलाफ अपराध साबित करने में महत्वपूर्ण था। एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को इस सिलसिले में आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के 38 सदस्यों को मौत की सजा सुनाई। इन सिलसिलेवार बम विस्फोटों में 56 लोग मारे गए थे और 200 से अधिक घायल हो गए थे। अदालत ने मामले में 11 अन्य दोषियों को भी उम्रकैद की सजा सुनाई है। फांसी की सजा पाने वाले एक अपराधी शहाबुद्दीन शेख ने अदालत में कहा कि वह और अयाज सैयद अपराध शाखा के एक ही प्रकोष्ठ और साबरमती जेल के एक ही बैरक में थे। अदालत के फैसले की प्रति के अनुसार, शेख ने अपने बयान में कहा था कि जेल में ही दोनों एक दूसरे से वाकिफ हुए थे और वहीं पारिवारिक पृष्ठभूमि और शिक्षा के बारे में एक-दूसरे से जानकारी साझा की थी। शेख के ''अंग्रेजी और अरबी भाषा के अच्छे ज्ञान के बारे में सैयद को पता था। शेख के अनुसार, वह ''खेलों से लेकर अकादमिक प्रतियोगिताओं में सैयद (अपूवर) को हरा देता था, जिसकी वजह से उसके प्रति सैयद को ईर्ष्या हो गयी थी। शेख ने अंग्रेजी में दिये अपने बयान में कहा था कि वे दोनों इस्लाम के अलग-अलग संप्रदायों के मानने वाले थे। सैयद सुन्नी बरेलवी है, जो फतेहा और दरगाह में विश्वास रखते हैं, जबकि शेख गैर-बरेलवी सुन्नी है, जो इन बातों में विश्वास नहीं करते हैं। दोषसिद्ध सैयद ने कहा, ''उसने (अपूवर ने) मेरे खिलाफ झूठे और बढ़ाचढ़ाकर बयान देकर नफरत, ईर्ष्या और शत्रुता पूरी कर ली। मौत की सजा पाने वाले एक अन्य दोषी मोहम्मद इकबाल कागजी ने भी कहा कि उसके खिलाफ सैयद का बयान पूरी तरह से ''झूठा और फर्जी था। दोषी ने दावा किया, ''मुख्य बात यह है कि हमारी न्यायिक हिरासत के इन 10 वर्षों के दौरान उसके (सैयद) मन में मुझसे दुश्मनी थी। उसने यह मान लिया था कि उसे कभी जेल से रिहा नहीं किया जाएगा, इसलिए वह एक सरकारी गवाह बन गया और जल्द से जल्द

जेपी नड्डा का अखिलेश यादव पर हमला, कहा- संविधान रक्षा की शपथ लेकर कर रहे आतंकियों की रक्षा

एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को विपक्षी दलों खासतौर से समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर माफिया, और आराजक तत्वों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सपा प्रमुख ने संविधान की रक्षा की शपथ ली थी और वह आतंकवादियों की रक्षा कर रहे हैं। रविवार को श्रावस्ती में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राम फेरन पांडेय के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने यह बात कही। उन्होंने यादव पर अहमदाबाद में हुए बम विस्फोट मामले में अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए आजमगढ़ के संजरपुर निवासी एक व्यक्ति के पिता पर समाजवादी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करने का आरोप लगाया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अखिलेश यादव ने संविधान की रक्षा की शपथ ली और वह आतंकवादियों की रक्षा कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि सपा के शासनकाल में माफिया राज था और आजम खान, मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद का उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने माफिया राज और गुंडाराज को समाप्त किया और अब देवबंद में आतंकवाद निरोधक केंद्र बनेगा इसके साथ साथ मेरठ, बहराइच, रामपुर, आजमगढ़ और कानपुर में भी यह केन्द्र बनेगा । और योगी के नेतृत्व में राज्य भयमुक्त बनेगा। नड्डा ने कहा, ''अगर आप चाहते हैं ।

छत्तीसगढ़ में किशोरी का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म, दो व्यक्ति गिरफ्तार

एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के एक गांव में शादी समारोह में शामिल होने आई 16-वर्षीया लड़की को कथित तौर पर अगवा कर उसके साथ पांच लोगों ने सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना बृहस्पतिवार की रात उस वक्त हुई जब सुलेसा गांव की रहने वाली लड़की अंबादीपाड़ा गांव के मैरिज हॉल से दोस्त की तलाश में निकली। जशपुर के पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने कहा कि इसके बाद पांचों आरोपी उसे जबरन वहां से करीब तीन किलोमीटर दूर एक जंगल में ले गए और उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। किशोरी के परिवार ने शनिवार दोपहर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने 24 और 30 साल के दो आरोपियों को सुलेसा गांव से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

कोविड नियमों का उल्लंघन का मामला: भाजपा नेता सोमैया मुंबई पुलिस के सामने पेश हुए

एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद किरीट सोमैया कोविड-19 के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में रविवार को मुंबई पुलिस के समक्ष पेश हुए। एक अधिकारी ने बताया कि उपनगर के सांताक्रूज़ थाने में पिछले साल सितंबर में सोमैया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी और पुलिस ने सोमवार को उन्हें समन जारी करके 15 दिन के अंदर उसके सामने पेश होने को कहा था। रविवार को सोमैया सांताक्रूज़ थाने पहुंचे जहां उन्हें प्राथमिकी की प्रति मुहैया कराई गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें 14 दिन में अपना जवाब देने को कहा गया है। सोमैया महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास आघाड़ी (एमवीए-शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस) के कुछ नेताओं को निशाना बना रहे हैं। भाजपा नेता ने उन पर गलत काम करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पिछले साल सोमैया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। तब वह सांताक्रूज़ (पश्चिम) के हसनाबाद लेन में राज्य मंत्री छगन भुजबल के बंगले पर गए थे। सोमैया ने बृहस्पतिवार को समन की प्रति ट्वीट की थी और कहा था कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार/पुलिस ने उनके खिलाफ सांताक्रूज़ में भुजबल की बेनामी संपत्ति का दौरा करने के लिए एक और मामला दर्ज किया है। सोमैया ने बृहस्पतिवार को समन की प्रति ट्वीट की थी और कहा था कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार/पुलिस ने उनके खिलाफ सांताक्रूज़ में भुजबल की बेनामी संपत्ति का दौरा करने के लिए एक और मामला दर्ज किया है।

समाजवादी पार्टी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का भव्य सम्मेलन

बरहज/देवरिया।

रविवार को बरहज स्थित स्व रामप्रसाद जायसवाल के निवास स्थान पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की चुनाव को देखते हुए एक आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई, बैठक की अध्यक्षता बरहज विधानसभा अध्यक्ष सन्तोष यादव ने की जबकि कार्यक्रम के मुख्यातिथि सपा जिला अध्यक्ष डॉ दिलीप यादव रहे,सपा प्रत्याशी मुरली मनोहर जायसवाल के निर्देश पर कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को तमाम वरिष्ठ नेताओं ने सम्बोधित कर कार्यकर्ताओं को बताया कि अपने अपने क्षेत्रों में सपा के लिए जनता से समर्थन प्राप्त करने के लिए सतत प्रयास करते रहे और समर्थन से ही प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने में सफल होंगे सपा प्रत्याशी मुरलीमनोहर जायसवाल ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं आपका बेटा और भाई हु.और आपके सहयोग से ही हम सब उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की सरकार बनाने सफलता प्राप्त करेंगे,अगर मुझे आपका आशीर्वाद प्राप्त होता हैं तो बरहज के विकास के लिए कोई कसर नही रखूंगा। वही विधानसभा अध्यक्ष सन्तोष यादव ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए सफलतापूर्वक सम्मेलन को सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल निषाद,व सुधीर निषाद ने जिलाध्यक्ष डॉ दिलीप यादव से समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कि। सम्मेलन में वीरेंद्र गुप्ता, वीरेंद्र चौधरी, कमलेश शुक्ला, अब्दुल खालिक, विकास विश्वकर्मा, राजन भुर्जी, गुलाम रशूल,अम्बिका यादव, धीरेंद्र यादव, बेचूलाल चौधरी, इरफान अहमद, मह्रेंद्र यादव,आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्वाड को एशियाई नाटो बताने की धारणा में न फंसेः जयशंकर

एजेंसी।

क्वाड के एशियाई नाटो होने की धारणा को खारिज करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि कुछ ''प्रभावित पक्ष (इंटरेस्टेड पार्टीज) हैं, जो इस तरह की उपमा को आगे बढ़ाते हैं और किसी को भी इसमें फंसना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि चार देशों का यह समूह अधिक विविध और बिखरी हुई दुनिया का जवाब देने का 21वीं सदी का एक तरीका है। जयशंकर ने शनिवार शाम को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (एमएससी) 2022 में ''व्यापक बदलाव? हिंद-प्रशांत में क्षेत्रीय व्यवस्था और सुरक्षा पर परिचर्चा के दौरान यह बात कही। जयशंकर ने कहा, ''क्वाड चार देशों का समूह है, जिनके साझा हित, साझा मूल्य हैं, जो हिंद-प्रशांत के चारों कोनों पर स्थित हैं, जिसका मानना है कि इस दुनिया में किसी भी देश, यहां तक कि अमेरिका में भी अपने बल पर वैश्विक चुनौतियों से निपटने की क्षमता नहीं है। उन्होंने इस धारणा को खारिज किया कि चार देशों का यह समूह एशियाई-नाटो है। उन्होंने इसे ''पूरी तरह से भ्रामक शब्दावली बतायी और कहा कि ''कुछ प्रभावित पक्ष हैं, जो इस तरह की उपमाओं को आगे बढ़ाते हैं।

उन्होंने कहा, ''मैं आपसे एशियाई-नाटो की उपमा में न फंसने का अनुरोध करता हूं। ऐसा इसलिए नहीं कि तीन देश हैं, जो संधि सहयोगी हैं। हम संधि सहयोगी देश नहीं है। यह अधिक विविध, बिखरी हुई दुनिया का जवाब देने का 21वीं सदी का एक तरीका है। क्वाड अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान का समूह है।

आखिरी वक्त पर डेरा सच्चा सौदा ने पत्ते खोल बिगाड़ा कांग्रेस का खेल, इन सीटों पर बदले समीकरण

एजेंसी।

पंजाब विधानसभा चुनाव में लाख टके का सवाल बना हुआ है कि 69 सीटों तथा चौदह जिलों वाला मालवा क्षेत्र किसकी नैया पार लगाने जा रहा है। सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा के कल रात सियासी पत्ते खोलने के बाद कांग्रेस को आशंका है कि डेरा प्रेमी कांग्रेस को वोट न देकर बेअदबी के मामले में अकाली दल को तथा कुछ सीटों पर आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी को वोट देने का फैसला दिया जिसके चलते डेरा प्रेमी इन्हीं दलों को वोट दे रहे हैं। पंजाब में आज मतदान जारी है। डेरा सच्चा सौदा के सूत्रों के अनुसार पंजाब चुनाव को लेकर कई दिनों की मशकत के बाद कल रात आखिरकार डेरा की राजनीतिक विंग ने अपना निर्णय ले ही लिया। डेरा अपने मतदान के निर्णय को पिछले वर्षों में मतदान के ठीक एक दिन पहले उजागर करता है। डेरा की राजनीतिक विंग के पदाधिकारी अपने फैसले को 45 मैंबर कमेटी व उसके बाद गांव-गांव में बनाए गए भंगीदास के जरिये आम अनुयायी तक पहुंचाया जाता है। इसी फैसले के अनुरूप डेरा अनुयायी अपने मत का उपयोग करते हैं। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को गत सात फरवरी को मिली 21 दिन की पैरोल को राजनीति के जानकार लोग हरियाणा और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा की देन मान रहे थे। इसी के साथ कयास लगाए जा रहे थे कि डेरा अपना एकमुश्त वोट पंजाब में भाजपा प्रत्याशियों को करेगा लेकिन उसने आप पार्टी के कुछ उम्मीदवारों को भी वोट फैसला लिया। पंजाब विधानसभा चुनाव में समर्थन को लेकर डेरा सच्चा सौदा की राजनीतिक विंग पर केंद्र व राज्य सरकार की खुफियां एजेंसियां भी टकटकी लगाए बैठी थीं। डेरा की राजनीतिक विंग द्वारा पंजाब में मतदान को लेकर फैसला लेने के बाद इस विंग के चैयरमेन राम सिंह गत वर्षों की तरह अबकी बार भी अपना मोबाइल बंद कर भूमिगत हो गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डेरा की राजनीतिक विंग ने हरियाणा से सटते मालवा क्षेत्र की मोड़ मंडी सीट पर भाजपा प्रत्याशी,बठिंडा में आम आदमी पार्टी, बठिंडा देहात में अकाली दल बादल, बुढलाढा में आम आदमी पार्टी, सरदूलगढ़ में अकाली दल बादल, अबोहर में भाजपा, मुक्तसर में अकाली दल बादल, सनौर (पटियाला) से भाजपा, पटियाला से पंजाब लोकहित पार्टी व तलवंडी में आजाद प्रत्याशी हरमिंद्र सिंह जस्सी को अपना समर्थन दिया है। हरमिंद्र सिंह जस्सी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख के करीबी रिस्तेदार हैं। उन्होंने बठिंडा शहरी, मोड़ मंडी सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। निरंतर दो बार चुनाव हार जाने से अबकी बार कांग्रेस द्वारा टिकट काट देने से तलवंडी साबो से आजाद प्रत्याशी के तौर पर भाग्य आजमा रहे हैं। कांग्रेस ने हरमिंद्र जस्सी को पार्टी से छह वर्ष के लिए निष्कासित भी कर दिया है।

डेरा के निर्णय को लेकर मुख्यमंत्री चरनजीत चन्नी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि डेरा प्रेमी अकाली दल और भाजपा और आप पार्टी के कुछ प्रत्याशियों को वोट दे रहे हैं लेकिन हमें उम्मीद है कि कांग्रेस सत्ता में वापसी करेगी। मालवा क्षेत्र में कम से कम 40 - 45 सीटों पर डेरा का प्रभाव है तथा पिछले कुछ चुनाव में डेरा अनुयायियों की वोट के चलते कांग्रेस सत्ता में आयी थी।

चंद्रशेखर राव ने सीएम उद्धव ठाकरे के घर पर किया लंच, राकांपा प्रमुख से भी करेंगे मुलाकात

एजेंसी। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के प्रमुख और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव शिवसेना प्रमुख और सीएम उद्धव ठाकरे से मिलने मुंबई पहुंचे हैं। तेलंगाना राष्ट्र समिति के सूत्रों ने बताया कि उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री राव को दोपहर के लंच के लिए आमंत्रित किया था। इसके बाद वह वह शरद पवार से मुलाकात करेंगे। इस बैठक को 2024 के आम चुनावों में बीजेपी से मुकाबला करने के लिए एक गैर-कांग्रेसी मोर्चा बनाने के प्रयासों के तौर पर देखा जा रहा है। राव को 'केसीआर के नाम से भी जाना जाता है। सूत्रों ने बताया कि ठाकरे से मुलाकात के बाद राव पवार के आवास जाएंगे और राष्ट्रीय राजनीति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे। राव शाम में हैदराबाद लौटेंगे। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना के अध्यक्ष ठाकरे ने पिछले हफ्ते राव को फोन किया था और उन्हें मुंबई आमंत्रित किया था। ठाकरे ने भाजपा की कथित जनविरोधी नीतियों के खिलाफ और संघीय भावना को बनाए रखने के लिए राव की लड़ाई को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा है कि राव से मिलने के बाद इस मुद्दे पर भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा की जाएगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, राव के प्रयासों की सराहना करते हुए ठाकरे ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने देश को विभाजनकारी ताकतों से बचाने के लिए सही समय पर आवाज उठाई है। पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष एच डी देवेगौड़ा ने हाल में राव को फोन किया था और उनकी लड़ाई को समर्थन दिया था। राव ने देवेगौड़ा से कहा था कि वह बेंगलुरू आकर उनसे इस मुद्दे पर बातचीत करेंगे।राव ने देवेगौड़ा से कहा था कि वह बेंगलुरू आकर उनसे इस मुद्दे पर बातचीत करेंगे। राव ने देवेगौड़ा से कहा था कि वह बेंगलुरू आकर उनसे इस मुद्दे पर बातचीत करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय संस्कृति में हमेशा जरूरतमंदों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई हैः कोविंद

एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को कहा कि मानवता और सच्चाई को जाति, लिंग या धर्म के आधार पर विभाजित नहीं किया जा सकता है क्योंकि भारतीय संस्कृति में हमेशा जरूरतमंदों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। कोविंद ने यहां गौड़ीय मठ एवं मिशन के संस्थापक श्रीमद भक्ति सिद्धांत सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद के 150वें जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में विभिन्न धार्मिक परंपराएं और पद्धतियां प्रचलन में हैं लेकिन एकमात्र मान्यता यह है कि पूरी मानतवा को एक परिवार समझकर सभी के कल्याण के लिए काम करना। राष्ट्रपति ने कहा, ''जरूरतमंदों की सेवा करने को हमारी संस्कृति में शीर्ष स्थान प्रदान किया गया है। मानवता एवं सच्चाई सर्वोच्च हैं जिन्हें विभाजित नहीं किया जा सकता। आखिरी लक्ष्य समाज का कल्याण है। चिकित्सकों, नर्सों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की प्रशंसा करते हुए कोविंद ने कहा कि उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान सेवा के इसी जज्बे को प्रदर्शित किया जबकि उनमें से कई इस वायरस से संक्रमित भी हो गये थे। कोविड-19 मुक्त विश्व के लिए प्रार्थना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, '' हमारे कोविड योद्धाओं ने अपनी जान कुर्बान कर दी लेकिन उनके सहकर्मियों का समर्पण अटूट रहा। पूरा देश हमेशा ऐसे योद्धाओं का ऋणी रहेगा।

बर्फ से ढके पहाड़ों में सशस्त्र बलों तक कोरोना वैक्सीन पहुंचाने के लिए सेना का अनोखा जुगाड़, ड्रोन से की सप्लाई

एजेंसी। कोरोना को हराने के लिए जहां देशभर में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है वहीं सशस्त्र बलों तक कोरोना वैक्सीन पहुंचाने के लिए भारतीय सेना ने एक अनोखी पहल की शुरूआत की, जिसकी सोशल मीडिया पर जमकर सराहना हो रही है। दरअसल, रिमोट एरिया में वैक्सीन आसानी से पहुंच सके, इसके लिए सेना ने ड्रोन की मदद से वैक्सीन की व्यवस्था की। फिलहाल जम्मू-कश्मीर में बर्फ से ढके इलाकों में सैनिकों तक बूस्टर डोज पहुंचाने के लिए मिशन संजीवनी के तहत ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। बूस्टर डोज की सप्लाई से जुड़ा एक वीडियो भारतीय सेना केअधिकारियों ने रिकॉर्ड भी किया है जो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। बूस्टर डोज डिलिवरी का ये पूरा वीडियो देखकर आप सेना को सलाम करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। वीडियो की शुरुआत मिशन संजीवनी से होती है। यह तीन चरण में किया जाता है। दूसरे चरण में ड्रोन के टेकऑफ के लिए साइटों की सफाई की जाती है। तीसरे और आखिरी चरण में, टीकों वाला एक पैकेज ड्रोन के साथ गंतव्य तक पहुंचता है।

त्रिपुरा सरकार का बड़ा फैसला, स्कूलों में राजनीतिक रैलियों और कार्यक्रमों पर लगाई रोक

एजेंसी। त्रिपुरा सरकार ने राजनीतिक कार्यक्रमों और रैलियों के लिए स्कूल के संसाधनों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। त्रिपुरा सरकार की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई भी राजनीतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए खेल के मैदान सहित स्कूल के किसी भी संसाधन का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। शिक्षा विभाग की निदेशक चांदनी चंद्रन ने इस नोटिफिकेशन पर हस्ताक्षर किए हैं। नए नोटिफिकेशन के मुताबिक किसी भी अन्य कार्यक्रम के संचालन के लिए माध्यमिक या प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक या संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी से लेना होगा, वह भी केवल स्कूल के घंटों के बाद या छुट्टियों के समय का होगा। अधिकारियों के मुताबिक कुछ प्रिंसिपल्स ने स्कूल के दौरान और बिना के राजनीतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए स्कूल का मैदान उपयोग करने की अनुमति देकर नियमों का उल्लंघन किया है। अधिकारियों ने कहा कि अगर कोई संगठन विद्यालयों में अनापत्ति प्रमाण-पत्र के बिना ऐसी गतिविधियों को आयोजित करने की योजना बना रहा है, तो संबंधित प्रिंसिपल या प्रभारी शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारियों या स्कूलों के निरीक्षक को सूचित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

छत्तीसगढ़: सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी, एनकाउंटर में 5 लाख का इनामी नक्सली ढेर

एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में पांच लाख रुपए का एक इनामी नक्सली मारा गया। अरनपुर थाना क्षेत्र के बुरगुम जंगल में कल रात रात हुई इस मुठभेड़ के बाद पुलिस ने कई नक्सलियों के घायल होने का भी दावा किया है। मारे गए नक्सली अर्जुन उर्फलखमा सोढ़ी के खिलाफ 13 मामले दर्ज थे। बताया जा रहा है कि पुलिस को बुरगुम के जंगलों में बड़े नक्सली नेताओं के जमावड़े की सूचना मिली थी। इसी सूचना पर दंतेवाड़ा से डीआरजी की टुकड़ियां भेजी गई थीं। बुरगुम के जंगलों में पुलिस के पहुंचते ही घात लगाए नक्सलियों ने गोलीबारी शुरु कर दी। जवानों ने जवाबी कारवाई की। गोलीबारी के बाद जब जवानों ने मौके की पड़ताल की तो उन्हें वहां से एक नक्सली का शव मिला। पुलिस टिफ़िन बम समेत अन्य सामान बरामद किया है। दंतेवाड़ा में लगातार पुलिस द्वारा नक्सलियों पर दबाव बनाया जा रहा है। अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि घटनास्थल से जवानों ने एक पिस्टल, टिफ़िन बम समेत अन्य सामान बरामद किया है। दंतेवाड़ा में लगातार पुलिस द्वारा नक्सलियों पर दबाव बनाया जा रहा है।

ट्रंप का कारनामा, पद छोड़ने के बाद सरकारी गोपनीय दस्तावेज अपने साथ ले गए

इंटरनेशनल डेस्क।

अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पद छोड़ने दौरान के मार-आ-लागो स्थित निवास से व्हाइट हाऊस के दस्तावेजों के 15 डिब्बे अपने साथ ले गए थे उनमें राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी थी। देश के राष्ट्रीय अभिलेखागार और दस्तावेज प्रशासन ने कहा कि न्याय मंत्रालय को इस मामले से अवगत करा दिया गया है। इस बाबत न्याय मंत्रालय और संघीय जांच एजेंसी ने अभी तक कुछ नहीं कहा है। वहीं अमरीका के एक संघीय न्यायाधीश मेहता ने ट्रम्प के खिलाफ सांसदों तथा संसद भवन के 2 पुलिस अधिकारियों द्वारा साजिश के आरोप में दर्ज कराए गए मुकद्दमों को रद्द करने का उनका प्रयास खारिज कर दिया। न्यायाधीश ने कहा कि संभवत पूर्व राष्ट्रपति के शब्दों ने 'विश्वसनीय रूप से' 6 जनवरी 2021 को हुए विद्रोह का मार्ग प्रशस्त किया। न्यायाधीश ने कहा कि संभवत पूर्व राष्ट्रपति के शब्दों ने 'विश्वसनीय रूप से' 6 जनवरी 2021 को हुए विद्रोह का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प के भाषण से लोग कानून तोड़ सकते थे। हालांकि, उन्होंने ट्रम्प के बेटे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर और वकील रुडी गुइलियानी के खिलाफ ऐसे हालांकि, उन्होंने ट्रम्प के बेटे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर और वकील रुडी गुइलियानी के खिलाफ ऐसे ही आरोप खारिज कर दिए।

चीन के साथ भारत के रिश्ते बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं: जयशंकर

नई दिल्ली।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि चीन द्वारा सीमा समझौतों का उल्लंघन करने के बाद उसके साथ भारत के संबंध ''बहुत कठिन दौर से गुजर रहे हैं। जयशंकर ने यह भी रेखांकित किया कि ''सीमा की स्थिति संबंधों की स्थिति का निर्धारण करेगी। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (एमएससी) 2022 में शनिवार को एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ समस्या हो रही है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''1975 से 45 साल तक सीमा पर शांति रही, स्थिर सीमा प्रबंधन रहा, कोई सैनिक हताहत नहीं हुआ। अब यह बदल गया है क्योंकि हमने चीन के साथ सीमा या वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य बलों की तैनाती नहीं करने के लिए समझौते किए थे...लेकिन चीन ने उन समझौतों का उल्लंघन किया है। जयशंकर ने कहा, ''स्वाभाविक तौर पर सीमा की स्थिति संबंधों की स्थिति का निर्धारण करेगी। जाहिर तौर पर फिलहाल चीन के साथ संबंध बहुत कठिन दौर से गुजर रहे हैं। पैंगोंग झील क्षेत्रों में हिंसक झड़प के बाद भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध शुरू हो गया था और दोनों पक्षों ने धीरे-धीरे अपने सैनिकों और हथियारों की तैनाती बढ़ा दी थी।

इसके बाद,15 जून 2020 को गलवान घाटी में हिंसक झड़प के बाद तनाव बढ़ गया था। पिछले सप्ताह मेलबर्न की यात्रा पर जयशंकर ने कहा था कि एलएसी पर स्थिति 2020 में चीन द्वारा सीमा पर बड़े पैमाने पर सैनिकों के लिए निर्धारित समझौतों के उल्लंघन के कारण उत्पन्न हुई है और कहा कि बीजिंग की कार्रवाई ''समूचे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता का विषय बन गई है।

अगले हफ्ते से ब्रिटेन में खत्म हो जाएंगी कोरोना पाबंदियां, जॉनसन बोले-लोगों को इसके साथ जीना सीखना होगा

इंटरनेशनल डेस्क।

ब्रिटेन सरकार ने इस बातत की पुष्टि की है कि कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के लिए अगले हफ्ते से सेल्फ आइसोलेशन में रखना कानूनी अनिवार्यता नहीं होगी। ब्रिटेन ने ''कोविड के साथ जीने की योजना के तहत यह घोषणा की है। इस बात की भी संभावना है कि कोरोना वायरस की जांच भी कम की जाएगी। देश के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए सभी कानूनी प्रतिबंधों को खत्म किए जाने से ब्रिटने में लोग अपनी ''स्वतंत्रता को प्रतिबंधित किए बिना अपनी रक्षा कर सकेंगे। बहरहाल, सरकार के कुछ वैज्ञानिक सलाहकारों का कहना है कि यह एक जोखिम भरा कदम है, जिससे संक्रमण तेजी से फैल सकता है और भविष्य में आ सकने वाले वायरस के अन्य स्वरूपों के खिलाफ देश की सुरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है। जॉनसन नीत 'कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार ने जनवरी में अधिकतर प्रतिबंध हटा लिए थे। इंग्लैंड के अस्पतालों को छोड़कर अन्य स्थानों पर मास्क की अनिवार्यता पहले ही समाप्त की जा चुकी है। ब्रिटेन में 12 साल और उससे अधिक आयु के 85 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार ने कहा कि अब जांच में संक्रमित पाए जाने के बाद पांच दिन तक पृथकवास में रहने की अनिवार्यता कानूनी बाध्यता नहीं होगी। सरकार आइसोलेशन को लेकर केवल परामर्श जारी करेगी और कोरोना वायरस को अब फ्लू की तरह समझा जाएगा।

यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने भारतीयों को प्रवास जरूरी नहीं होने पर देश छोड़ने की सलाह दी

इंटरनेशनल डेस्क।

यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने रविवार को एक ताजा परामर्श जारी कर भारतीय नागरिकों से कहा कि यदि उनका प्रवास जरूरी नहीं है तो वे अस्थायी रूप से देश छोड़ दें। यूक्रेन संकट को लेकर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) से जुड़े देशों और रूस के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर यह परामर्श जारी किया गया है। दूतावास ने कहा, ''यूक्रेन को लेकर बढ़ते तनाव और अनिश्चितताओं को देखते हुए सभी भारतीय नागरिक, जिनका प्रवास आवश्यक नहीं है, और सभी भारतीय विद्यार्थियों को अस्थायी रूप से यूक्रेन छोड़ने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने कहा कि यूक्रेन से ''व्यवस्थित ढंग से और समय से प्रस्थान करने के लिए उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानें, और चार्टर उड़ानें ली जा सकती हैं। उसने कहा, ''भारतीय छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे चार्टर उड़ानों संबंधी सूचना के लिए संबंधित अनुबंधकर्ताओं से भी संपर्क करें और किसी भी अद्यतन जानकारी के लिए ई एंबेसी फेसबुक, वेबसाइट और ट्विटर पर दी जा रही सूचनाओं को देखते रहें। वर्ष 2020 के एक आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार यूक्रेन में सीमित संख्या में प्रवासी भारतीयों

की मौजूदगी थी और उस देश में लगभग 18,000 भारतीय विद्यार्थी पढ़ रहे थे। अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन की सीमा के निकट सैनिकों के जमावड़े के लिए रूस की आलोचना कर रहे हैं। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की आशंकाओं के बीच अमेरिका अपने सहयोगियों की मदद करने के लिए पहले ही यूरोप में अतिरिक्त सैनिक भेज चुका है।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना की चपेट में आईं ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, बकिंघम पैलेस ने दी जानकारी

इंटरनेशनल डेस्क । ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई हैं और उनमें ''ठंड लगने जैसे हल्के लक्षण है। बकिंघम पैलेस ने रविवार को यह जानकारी दी। एलिजाबेथ द्वितीय (95) अपने विंडसर कैसल निवास पर हैं। बकिंघम पैलेस के एक बयान में कहा गया है, ''उनका इलाज जारी रहेगा और वह सभी उचित दिशानिर्देशों का पालन करेंगी। इंग्लैंड में कोरोना वायरस से संक्रमित पाये जाने वाले किसी भी व्यक्ति के वास्ते वर्तमान दिशानिर्देशों के तहत उसे 10 दिनों के लिए पृथकवास में रहना होता है। महारानी के बेटे प्रिंस चार्ल्स और उनकी पत्नी कैमिला भी इस महीने की शुरुआत में कोविड से संक्रमित पाये गये थे।

ओमिक्रॉन अब हांगकांग पर बरपा रहा कहर, कोरोना की सबसे खराब लहर से मची अफरातफरी

इंटरनेशनल डेस्क। दुनिया भर में कोरोना के कम होते मामलों के बीच हांगकांग में महामारी अपने चरम पर पहुंच गई है। हांगकांग में कोरोना को लेकर कड़े नियमों की वजह से महीनों तक महामारी नियंत्रित रही पर हाल के दिनों में यहां मामले तेजी से बढ़ हैं। आलम ये है कि स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव नजर आने लगा है। हांगकांग में ओमिक्रॉन वेरिएंट की वजह से कोरोना महामारी की ये लहर आई है। यहां पिछले साल दिसंबर में ओमिक्रॉन का पहला मामला सामने आया था और तब इसे फैलने से रोकने के लिए तमाम तरह के प्रतिबंध लगाए गए। इसमें फ्लाइट पर बैन सहित एक जगह पर दो लोग से अधिक के खड़े होने पर पंबादी भी शामिल थी। हालांकि, इसके बावजूद संक्रमण के मामले काफी बढ़ गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार शुक्रवार तक हांगकांग में पिछले दो महीनों में 20,200 कोरोना केस सामने आ चुके हैं। ये संख्या पिछले करीब दो साल में कोरोना के आए 12 हजार मामलों से भी अधिक है। संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण हांगकांग के अस्पतालों पर बोझ बढ़ता जा रहा है। इस बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी स्थानीय सरकार से हालात पर काबू पाने के लिए तेजी से कदम उठाने को कहा है।

रूस से यदि सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ता है तो सहयोगी देश अकेले नहीं पड़ेंगे: ऑस्टिन

विलनियस। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने शनिवार को तीन बाल्टिक देशों को आश्वासन दिया कि अगर रूस से सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ता है तो वे अकेले नहीं पड़ेंगे। पश्चिमी देशों के अधिकारियों का कहना है कि मास्को किसी भी समय यूक्रेन पर आक्रमण कर सकता है, हालांकि रूस ने हमले की योजना से इनकार किया है। ऑस्टिन ने शनिवार को यूक्रेन पर हमला करने के लिए रूस के सैनिकों की तैयारी के बारे में कहा, ''वे हमला करने के लिए तैयार हैं। लिथुआनिया के अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कथित महत्वाकांक्षाएं पूरे क्षेत्र में फैल सकती हैं। लिथुआनियाई विदेश मंत्री गेब्रियलियस लैंड्सबर्गिस ने ऑस्टिन के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''यूक्रेन के लिए लड़ाई यूरोप के लिए एक लड़ाई है। पुतिन को यहीं नहीं रोका गया तो वह और आगे बढ़ जाएंगे। ऑस्टिन ने लिथुआनिया की राजधानी विलनियस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''मैं चाहता हूं कि लिथुआनिया, एस्टोनिया और लातविया में सभी को पता चले और मैं राष्ट्रपति पुतिन और क्रेमलिन को बताना चाहता हूं कि अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ खड़ा है।

यक्रेन के सैन्य अधिकारी मोर्चे पर गोलाबारी की चपेट में आए, बचने के लिए बमरोधी आश्रय स्थल में ली शरण

मास्को। पूर्वी यूक्रेन में संघर्ष वाले मोर्चे के दौरे के दौरान यूक्रेन के शीर्ष सैन्य अधिकारी वहां हुई गोलाबारी की चपेट में आ गए। अधिकारियों ने गोलाबारी से बचने के लिए क्षेत्र में बनाए गए बमरोधी आश्रय स्थल में शरण ली। क्षेत्र के दौरे पर गए एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार ने यह जानकारी दी। इससे पहले शनिवार को, पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी नेताओं ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में हिंसा और पश्चिम में इस आशंका के बीच शनिवार को पूर्ण सैन्य लामबंदी का आदेश दिया कि रूस इस संघर्ष का इस्तेमाल हमले के बहाने के रूप में कर सकता है। यूक्रेन और रूस समर्थित विद्रोहियों के कब्जे वाले दो क्षेत्रों ने एक-दूसरे पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। रूस ने शनिवार को कहा कि पूर्वी यूक्रेन के सरकार के कब्जे वाले हिस्से से दागे गए कम से कम दो गोले सीमा पार गिरे। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने दावे को ''एक फर्जी बयान बताते हुए खारिज कर दिया। यक्रेन की सेना ने कहा कि दोनेत्स्क क्षेत्र के सरकार के कब्जे वाले हिस्से में शनिवार तड़के गोलाबारी में एक सैनिक की मौत हो गई। हिस्से में शनिवार तड़के गोलाबारी में एक सैनिक की मौत हो गई।

भीड़भाड़ वाले समुद्री बीच के पास समुद्र में क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर, वीडियो देख थम गई लोगों की सांसें

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के फ्लोरिडा में मियामी बीच के पास समुद्र में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हेलीकॉप्टर उस स्थान पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग तैराकी कर रहे थे। मियामी बीच पुलिस विभाग (एमबीपीडी) के एक ट्वीट के अनुसार घटना दोपहर में हुई जब समुद्री किनारे पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। घटना साउथबीच इलाके में हुई। हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद हेलीकॉप्टर में सवार तीन लोगों में से दो को जैक्सन मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। उपचार के बाद, उनकी स्थिति स्थिर बताई गई है। मियामी बीच पुलिस के जन सूचना अधिकारी अर्नेस्टो रोड्रिगेज के अनुसार तीसरे यात्री को इस घटना में कोई नुकसान नहीं हुआ। मियामी बीच पुलिस विभाग ने हैलीकॉप्टर क्रैश का वीडियो भी शेयर किया है। वीडियो में दिख रहा है कि हेलीकॉप्टर समुद्र की तरफ नीचे आता और दुर्घटनाग्रस्त होकर पानी में गिरता है। वीडियो में उक्त स्थान के पास बड़ी संख्या में लोग तैराकी करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में उक्त स्थान के पास बड़ी संख्या में लोग तैराकी करते दिखाई दे रहे हैं।

सिंगापुर में निवेशकों को क्रिप्टोकरेंसी घोटाले के जरिये लगाया गया सबसे अधिक चूना

इंटरनेशनल डेस्क।

सिंगापुर के निवेशकों को पिछले तीन वर्षों में किसी अन्य धोखाधड़ी की तुलना में फर्जी निवेश योजनाओं में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। विशेष रूप से वे चीनी मूल के 'पिग-बूचरिंग क्रिप्टोकरेंसी घोटाले का सबसे बड़ा शिकार बने हैं। निवेशकों को पिछले साल इस तरह की योजनाओं से 19.09 करोड़ सिंगापुर डॉलर का नुकसान हुआ है। यह आंकड़ा 2019 के 3.69 करोड़ डॉलर का पांच गुना से अधिक है। 'द संडे टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस तरह की धोखाबाजी को अंजाम देने वाले निवेशकों से ऐसी योजनाओं में निवेश करने का आग्रह करने से पहले उनके साथ रिश्ता बनाने में महीनों लगाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंगापुर में हाल में 'पिग बूचरिंग घोटाला सामने आया है। इसमें चीनी शब्द 'शा झू पा का इस्तेमाल किया गया है जिसका अर्थ वध करने से पहले एक सुअर को मोटा करने से है। इसे अपराधियों ने खुद अपने घोटाले का वर्णन करने के लिए गढ़ा था। जालसाज फर्जी निवेश योजनाओं में निवेश करने का आग्रह करने से पहले लक्ष्य यानी निवेशकों के साथ नजदीकी बनाने में महीनों लगाते हैं। सिंगापुर दैनिक ने समाचार रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि 2016 में चीन में इस तरह के घोटाले शुरू हुए। उस समय घोटालेबाजों ने पीड़ितों को नकली जुए की वेबसाइटों पर दांव लगाने के लिए तैयार किया। चीनी

सरकार ने 2018 में अवैध सट्टेबाजी पर नकेल कसी। लेकिन जालसाजों ने फिर दक्षिण-पूर्व एशिया में चीनी भाषी प्रवासियों को निशाना बनाया। जैसे-जैसे यूरोप और अमेरिका में जनसांख्यिकी का विस्तार हुआ ।

वैश्विक महामारी का प्रकोप जारी, पूरी दुनिया में कोरोना से हुई 58.81 लाख से अधिक लोगों की मौत

वाशिंगटन।

वैश्विक कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप जारी है और इस महामारी के संक्रमण से अभी तक पूरी दुनिया में 58.81 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 42.30 करोड़ लोग इस जानलेवा वायरस के संक्रमण से प्रभावित हो चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 42,30,62,224 हो गयी है और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 58,81,387 हो गया हैं। वहीं अब तक 10.34 अरब से ज्यादा वैक्सीन को डोज दी जा चुकी है। दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक मामलों के साथ अमेरिका शीर्ष पर है, जहां इस महामारी से अभी तक 7.84 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 9,35,057 लोग काल के गाल में समा चुके हैं। देश में अब तक 54.80 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। भारत इस महामारी के संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर है, देश के कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 4,28,22,473 हो गयी है। वहीं इस दौरान मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 5,11,903 हो गया हैं। वहीं अब तक 1.75 अरब से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। कोरोना संक्रमण के मामले में ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है, जहां अभी तक करीब 1.87 करोड़ से ज्यादा लोग इस महामारी से प्रभावित हो चुके है जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,61,074 तक पहुंच गया है। वहीं अब तक 14.08 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। संक्रमण के मामले में ब्राजील चौथे स्थान पर आ गया है। देश में कोरोना वायरस की जद में अभी तक 2.81 करोड़ से अधिक लोग आ चुके है और यह वायरस अभी तक 6,44,195 लोगों की जान ले चुका है। वहीं अब तक 38.41 करोड़ से ज्यादा कोरोना टीकाकरण हो चुका है। फ्रांस संक्रमण के मामले में पांचवें पायदान पर है। देश में अभी तक अभी तक करीब 2.23 करोड़ से ज्यादा लोग इस जानलेवा वायरस से संक्रमित हो चुके है की मौत हो चुकी है। वहीं अब तक 14.13 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। महामारी से अब तक 1,37,595 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं अब तक 14.13 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

करतारपुर कॉरिडोर ने 35 साल बाद बिछड़े परिवार को मिलाया, विभाजन के दौरान अलग हुआ था परिवार

लाहौर। विभाजन के दौरान अलग हुए एक ईसाई परिवार की दूसरी पीढ़ी के सदस्य जब पाकिस्तान के करतारपुर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब में करीब 35 साल बाद फिर से मिले तो बेहद भावुक हो गए। ऐसी घटनाएं भारत और पाकिस्तान के लोगों को करीब लाने में वीजा मुक्त करतारपुर गलियारे की सफलता को दर्शाते हैं। परिवार के पुनर्मिलन के दौरान सदस्यों की आंखें भर आयीं और इस भावुक पल की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। पाकिस्तान में ननकाना जिले के मनावाला के रहने वाले शाहिद रईक मिठू शुक्रवार को अपने परिवार के 40 सदस्यों के साथ पहुंचे, जिन्होंने भारत के अमृतसर जिले की अजनाला तहसील के शाहपुर डोगरा गांव के रहने वाले सोनू मिठू से मुलाकात की। सोनू के साथ उनके परिवार के आठ सदस्य भी थे। शाहिद मिठू ने कहा कि उनके दिवंगत दादा इकबाल मसीह विभाजन के दौरान पाकिस्तान आ गए थे जबकि इकबाल के भाई इनायत भारत में ही रूक गए थे। उन्होंने कहा, करीब 35 साल पहले इनायत ननकाना साहिब के मनावाला स्थित हमारे घर घूमने आए थे। तब मैं सात साल का था। वह और मेरे दादा (इकबाल) ने उस दौरान अपने बचपन के दिनों को याद किया था। शाहिद ने कहा, मेरे दादा का दो महीने पहले निधन हो गया जबकि इनायत का करीब सात साल पहले निधन हो चुका है। उनके दो बड़े भाइयों का भी निधन हो चुका है। उन्होंने कहा, इनायत के हमारे घर घूमने आने के बाद से पहली बार सीमा के दोनों तरफ रहने वाले हमारे परिवार के सदस्य करतारपुर साहिब में एक-दूसरे से मिल पाए हैं।

यूक्रेन संकट पर हैरिस ने कहा- इतिहास में यह एक निर्णायक क्षण

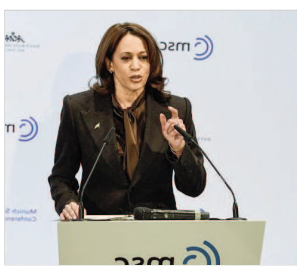

म्यूनिख।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने शनिवार को रूस को चेतावनी दी कि अगर वह यूक्रेन पर हमला करेगा तो उसे इसकी अभूतपूर्व आर्थिक कीमत चुकानी होगी। हैरिस ने कहा कि ऐसे हमले से यूरोपीय देश अमेरिका के और नजदीक आएंगे। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा, ''इतिहास में यह एक निर्णायक क्षण है। हैरिस ने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति कह चुके हैं कि वह अपने देश के लिए केवल शांति चाहते हैं। उपराष्ट्रपति ने जर्मनी में आयोजित वार्षिक म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में यह बयान दिया। इससे एक दिन पहले राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा था कि वह आश्वस्त हैं कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करने का निर्णय ले लिया है। हैरिस ने कहा, मैं एकदम साफ शब्दों में कह रही हूं कि अगर रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो अमेरिका अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ मिलकर अभूतपूर्व आर्थिक प्रतिबंध लगाएगा। उपराष्ट्रपति का उद्देश्य यूरोपीय देशों को यह बताना है कि पश्चिमी देशों में एकता के माध्यम से शक्ति है। उन्होंने अपने संबोधन के जरिये मोटे तौर पर यूरोप को संदेश दिया कि पश्चिम के पास ''एकता की ताकत है और यूक्रेन पर आक्रमण होने की स्थिति से रूस के दरवाजे पर नाटो की ओर बड़ी उपस्थिति हो सकती है। बाद में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ बैठक के शुरु में हैरिस ने कहा ''इतिहास में यह निर्णायक क्षण है। उन्होंने जेलेंस्की से कहा, ''आपके के देश पर किसी भी तरह के खतरे को हम गंभीरता से लेंगे। इसपर यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा,''हम स्पष्ट रूप से समझते हैं कि क्या हो रहा है। यह हमारी जमीन है और हम शांति चाहते हैं। उन्होंने और अधिक सैन्य और आर्थिक सहायता के अनुरोध की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि पश्चिमी सहयोगी ''विशेष कदम उठाएं। जेलेंस्की ने रेखांकित किया कि रूसी सेना उनके देश की सीमा पर मौजूद है और यूक्रेन की सेना वास्तव में ''पूरे यूरोप की रक्षा कर रही है। उल्लेखनीय है कि रूस ने यक्रेन के क्रीमिया प्रायद्वीप पर वर्ष 2014 में कब्जा कर लिया था और रूस समर्थित अलगाववादी गत आठ साल से देश के पूर्वी हिस्से में लड़ रहे हैं। क्रीमिया पर कब्जे को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस पर प्रतिबंध लगाए थे। यूक्रेन से लगती सीमा पर रूस के करीब डेढ़ लाख सैनिकों के जमावड़े के बाद पश्चिम को यूक्रेन पर हमले की आशंका है। हैरिस ने कहा कि बाइडन प्रशासन ने अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर कूटनीतिक समाधान निकालने के लिए मास्को से बातचीत करने की कोशिश की थी, लेकिन क्रेमलिन की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया नहीं आई। उपराष्ट्रपति ने कहा, रूस लगातार यह कह रहा है कि वह बातचीत के लिए तैयार है, जबकि इसी दौरान वह कूटनीतिक समाधान के रास्ते भी बंद कर रहा है। उनकी कथनी और करनी में अंतर है। जबकि इसी दौरान वह कूटनीतिक समाधान के रास्ते भी बंद कर रहा है। उनकी कथनी और करनी में अंतर है।

सुविचार सौंदर्य तो अस्थाई है लेकिन मन आपका जीवन भर साथ देता है - एलिशिया मेकेडो

संपादकीय

नशे का नश्तर

देश के विभिन्न हिस्सों में नशीले पदार्थों की बरामदगी में तेजी आना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। सबसे बड़ी चिंता यह है कि नशे की अंतर्राष्ट्रीय तस्करी में सूचना व तकनीक के आधुनिक तौर-तरीकों का सहारा लिया जा रहा है, जिसके चलते यह जांच एजेंसियों की पकड़ में आसानी से नहीं आ पाती। इतना ही नहीं, कोरोना संकट के काल में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों का कारोबार कुख्यात इंटरनेट प्लेटफॉर्म डार्कनेट और समुद्री मार्ग के जरिये बढ़ा है। इसके लिये कूरियर सेवाओं के जरिये भी नशीले पदार्थों की आपूर्ति की जाती रही है। देश में हेरोइन की बरामदगी तीन गुना से अधिक हो गई है। जहां वर्ष 2017 में 2,146 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई थी, वहीं वर्ष 2021 में इसकी मात्रा 7,282 किलोग्राम तक जा पहुंची। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी का दावा है कि प्रभावी कार्रवाई के चलते नशीले पदार्थों की बरामदगी में तेजी आई है। हालांकि नशे के तस्कर कार्रवाई करने वाली एजेंसियों से बचने के लिये लगातार तस्करी के तौर-तरीके बदलते रहते हैं। इंटरनेट में काले धंधों के बदनाम इंटरनेट प्लेटफॉर्म डार्कनेट के जरिये नशे की तस्करी दुनियाभर के देशों के लिये चिंता बढ़ाने वाली है। विशेष सॉफ्टवेयरों का उपयोग करने वाले तस्करों तक पहुंच बनाना सहज नहीं हो पाता, जो जांच अधिकारियों के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। बताया जाता है कि डार्कनेट बाजार में नब्बे प्रतिशत बिक्री कथित तौर पर नशीले पदार्थों से संबंधित है। तस्कर आधुनिक तकनीकों का सहारा लेकर कानून-व्यवस्था की आंख में धूल झोंकने में कामयाब हो जाते हैं। ऐसे में सरकारी एजेंसियों को साइबर मोर्चे पर इस खेल पर अंकुश लगाने के लिये उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल करना होगा, क्योंकि आने वाले समय में इस चुनौती में विस्तार ही होगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहद ताकतवर माफियाओं को कुछ सरकारों की मदद इस समस्या को जटिल बनाने का ही काम करती है, जो साझा अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों से ही दूर की जा सकती है। हाल ही के दिनों पंजाब व जम्मू कश्मीर में नशीले पदार्थों की तस्करी में परंपरागत तौर-तरीकों के साथ ही आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। बीएसएफ द्वारा बड़ी मात्रा में हेरोइन की बरामदगी इन आशंकाओं की पुष्टि करती है। अटारी-वाघा सीमा पर 532 किलोग्राम हेरोइन बरामद होने के दो साल बाद दिसंबर, 2021 में गुजरात तट पर एक पाकिस्तानी नाव से 77 किलोग्राम हेरोइन की जब्ती को सुरक्षा खतरे के मद्देनजर नार्को आतंकवाद पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। सीमा पर सख्ती के चलते आतंकवादियों को हथियार व गोला-बारूद जुटाने में मदद के लिये नशे की खेपों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां तक कि बड़े पैमाने पर ड्रोनों का इस्तेमाल भारतीय क्षेत्रों में नशे की खेप पहुंचाने के लिये किया जा रहा है। पिछले साल सितंबर में गुजरात के कच्छ इलाके में मुन्दरा बंदरगाह पर करीब 3000 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी ने देश को चौंकाया था, जो बताता है कि नशे की तस्करी के लिये समुद्री मार्गों का भी लगातार इस्तेमाल हो रहा है। भारत को यह शिपमेंट अफगानिस्तान से ईरान के रास्ते भेजा गया, जो यह बताता है कि नई पीढ़ी को पथभ्रष्ट करने के लिये किस तरह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साजिशें हो रही हैं। यह सुनियोजित अंतर्राष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट की भागीदारी की ओर इशारा करता है।

आज के कार्टुन

जिंदगी

आचार्य रजनीश ओशो/ आज तक का समाज दुख से भरा हुआ समाज है, उसकी ईंट ही दुख की है, उसकी बुनियाद ही दुख की है। जब दुखी समाज होगा तो समाज में हिंसा होगी क्योंकि दुखी आदमी हिंसा करेगा। जब समाज दुखी होगा और जीवन दुखी होगा तो आदमी क्रोधी होगा, दुखी आदमी क्रोध करेगा। और जब जिंदगी उदास होगी, दुखी होगी, तो युद्ध होंगे, संघर्ष होंगे, घृणा होगी। दुख सब चीज का मूल उद्गम है। यदि नये समाज को जन्म देना हो तो दुख की ईंटों को हटा कर सुख की ईंटें रखनी जरूरी हैं, तो वे तभी रखी जा सकती हैं, जब हम जीवन के सब सुखों को सहज स्वीकार कर लें और सब सुखों को सहज निमंतण्रदे सकें। जिंदगी का अपना सौंदर्य है, मृत्यु का अपना। जो देखने में समर्थ हो जाता है वह सब चीजों से सौंदर्य और सब चीजों से सुख पाना शुरू कर देता है। लेकिन यह क्यों भूल हो गई कि आदमी इतना उदास और दुखी क्यों हमने निर्मित किया? यह भूल इसलिए हो गई कि हम शरीर के शत्रु हैं। इंद्रियों के दुश्मन हैं। इंद्रियों की दुश्मनी की जरूरत नहीं है। इंद्रियों की गुलामी न हो, इतना ही काफी है। इंद्रियों की मालकियत बहुत है। लेकिन इंद्रियों की मालकियत के लिए इंद्रियों से दुश्मनी करने की कोई जरूरत नहीं है। सच तो यह है कि जिसके हम दुश्मन हो जाएं उसके हम मालिक कभी भी नहीं हो पाते। मालिक तो हम सिर्फ उसी के हो पाते हैं जिसे हम प्रेम करते हैं। इंद्रियों और शरीर की दुश्मनी के कारण एक द्वैत आदमी में हमने पैदा किया है। हमने बताया है कि शरीर कुछ और, इंद्रियां कुछ और, तुम कुछ और; और तुम्हारे और शरीर के बीच सतत दुश्मनी है, लड़ाई है। अब हम अपने ही द्वार-दरवाजों से लड़ रहे हैं। जैसे कोई आदमी एक घर में रहता हो, और अपनी खिड़कियों का दुश्मन हो जाए, अपने दरवाजों का दुश्मन हो जाए, और खिड़कियों और अपने बीच दुश्मनी मान ले। हम यहां जिस तरह की जिंदगी जीते हैं, आगे जो जिंदगी है हम उसके आधार यहीं रखते हैं, इसी पृथ्वी पर, इस पृथ्वी के विरोध में नहीं। अगर आत्मा की कोई जिंदगी है तो उसके आधार हम रखते हैं शरीर की जिंदगी में, शरीर के विरोध में नहीं। अगर अतींद्रिय कोई आनंद हैं, तो उनके भी आधार हम रखते हैं इंद्रियों के आनंदों में, उसके विपरीत नहीं। जिंदगी विरोध नहीं, हार्मनी है। यहां किसी चीज में कोई विरोध नहीं है। न शरीर और आत्मा में विरोध है, न पदार्थ और परमात्मा में विरोध है। यहां किसी चीज में विरोध नहीं है, जिंदगी एक इकट्ठी चीज है।

तेजसः लाइक ए डायमंड इन द स्काई

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

15 से 18 फरवरी तक आयोजित सिंगापुर एयर शो के पहले ही दिन स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू विमान एलसीए तेजस ने लो-लेवल एयरोबैटिक्स डिस्प्ले में हिस्सा लेकर सिंगापुर के आसमान में गर्जना करते हुए अपनी कलाबाजियों से न सिर्फ तमाम लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया बल्कि अपने पराक्रम और मारक क्षमता की पूरी दुनिया के समक्ष अद्भुत मिसाल भी पेश की। सिंगापुर के आसमान में कलाबाजियां करते तेजस की तस्वीरें भारतीय वायुसेना द्वारा 'लाइक ए डायमंड इन द स्काई' लिखकर ट्वीट की गई। गौरतलब है कि सिंगापुर एयरशो हर दो साल में एक बार आयोजित होता है, जिसमें दुनियाभर के फाइटर जेट्स हिस्सा लेते हैं। यह एयर शो एविएशन इंडस्ट्री के लिए पूरी दुनिया को अपने एयरक्राफ्ट दिखाने का बेहतरीन अवसर होता है और विश्वभर की विमानन कम्पनियां इसके जरिये अपने उत्पादों की मार्केटिंग करती हैं। एयर शो में भारत द्वारा भी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित स्वदेशी 'तेजस' की मार्केटिंग पर जोर दिया गया। इस एयर शो में भारतीय वायुसेना के तेजस के अलावा यूनाइटेड स्टेट्स एयरफोर्स, यूनाइटेड स्टेट्स मरीन कॉर्प्स, इंडोनेशियाई वायुसेना की जुपिटर एयरोबैटिक टीम, रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयरफोर्स इत्यादि की विशेष भागीदारी रही। सिंगापुर एयरशो 2022 में शामिल होने के लिए वायुसेना का 44 सदस्यों का एक दल 12 फरवरी को ही स्वदेशी फाइटर जेट, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, एलसीए तेजस मार्क-वन के साथ सिंगापुर पहुंच गया था। एयरोबैटिक्स में हिस्सा लेकर एलसीए तेजस ने अपनी संचालन से जुड़ी विशेषताओं तथा गतिशीलता को प्रदर्शित किया और पूरी दुनिया को दिखाया कि आखिर तेजस कितना ताकतवर लड़ाकू विमान है। सिंगापुर एयर शो से पहले भारतीय वायुसेना 2021 में दुबई एयर शो और 2019 में मलेशिया में लिमा एयर शो में भी हिस्सा ले चुकी है। एचएएल द्वारा निर्मित तेजस प्रमुख रूप से हवाई युद्ध और आक्रामक तरीके से हवाई सहायता मिशन में काम आने वाला विमान है। यह एकल इंजन और बहु-भूमिका वाला ऐसा बेहद फुर्तीला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान है, जो हवाई क्षेत्र में उच्च-खतरे वाली स्थितियों में संचालन करने में सक्षम है। टोही अभियान को अंजाम देने तथा पोत रोधी विशिष्टताएं इसकी द्वितीयक गतिविधियां हैं। भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल तेजस फाइटर जेट को पूरी दुनिया की प्रशंसा मिल रही है। दरअसल एचएएल का यह अत्याधुनिक हल्का लड़ाकू विमान पहले ही सारे परीक्षण बड़ी कुशलता से पास कर चुका है और अमेरिका जैसे विकसित देश ने भी तेजस को अपने सेगमेंट में दुनिया के बेहतरीन फाइटर जेट्स में से एक माना है। तेजस की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि पूर्णतया देश में ही विकसित करने के बाद इसकी ढ़ेरों परीक्षण उड़ान होने के बावजूद अब तक एक बार भी कोई भी उड़ान विफल नहीं रही और न ही किसी तरह का कोई हादसा हुआ। यही कारण है कि कई देशों का भरोसा भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों के साथ-साथ तेजस जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों पर भी बढ़ा है। भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा रक्षा बजट वाला देश है और अभी तक भले ही अपनी ज्यादातर रक्षा सामग्री का विदेशों से आयात करता रहा है लेकिन बीते कुछ वर्षों से भारत रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसके साथ ही रक्षा सामग्री के आयातक से निर्यातक बनने की राह पर भी अग्रसर है। रक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025 तक रक्षा निर्माण में 25 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 1.75 लाख करोड़ रुपये) के कारोबार का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 5 अरब डॉलर (35 हजार करोड़ रुपये) के सैन्य हार्डवेयर का निर्यात लक्ष्य भी शामिल है। अगर तेजस की विशेषताओं की बात करें तो यह एचएएल द्वारा भारत में ही विकसित किया गया हल्का और मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसे वायुसेना के साथ नौसेना की जरूरतें पूरी करने के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। तेजस संस्कृत भाषा का नाम है, जिसका अर्थ है 'अत्यधिक ताकतवर ऊर्जा'। 'तेजस' का यह अधिकारिक नाम 4 मई 2003 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा रखा गया था। मिग-21 लड़ाकू विमानों की पुरानी होती तकनीक को देखते हुए मिग विमानों का उपयुक्त विकल्प तलाशने और घरेलू विमानन क्षमताओं की उन्नति के उद्देश्य से देश में 1981 में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कार्यक्रम शुरू किया गया था। उसी के बाद 1983 में तेजस विमानों की परियोजना की नींव रखी गई थी। तेजस का जो सैंपल तैयार किया गया, उसने अपनी पहली उड़ान जनवरी 2001 में भरी थी लेकिन सारी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद यह हल्का लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन में 2016 में ही शामिल किया जा सका। 2015 में तेजस को वायुसेना में शामिल करने की घोषणा हुई थी, जिसके बाद जुलाई 2016 में वायुसेना को दो तेजस सौंप दिए गए थे। वायुसेना को करीब दो सौ तेजस विमानों की जरूरत है। पिछले वर्षों में वायुसेना एचएएल को 40 तेजस विमानों की खरीद का ऑर्डर दे चुकी है, जिनमें से आधे से ज्यादा वायुसेना को मिल चुके हैं और गत वर्ष 83 तेजस विमानों का नया सौदा भी किया गया था। ये सभी तेजस फाइटर जेट वायुसेना के बेड़े में शामिल होने के बाद वायुसेना की जरूरतें पूरा करने में काफी मदद मिलेगी। दरअसल वायुसेना में अभी तेजस की कुल दो स्क्वाड्रन हैं और 83 तेजस मिलने के बाद इनकी संख्या 6 हो जाएगी, जिनकी तैनाती अनिवार्य रूप से फ्रंटलाइन पर होगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह कह चुके हैं कि एलसीए-तेजस आने वाले वर्षों में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ बनने जा रहा है। तेजस में कई ऐसी नई प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है, जिनमें से कई का भारत में इससे पहले कभी प्रयास भी नहीं किया गया। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक तेजस लड़ाकू विमान चीन-पाकिस्तान के संयुक्त उद्यम में बने लड़ाकू विमान जेएफ-17 से हाईटेक और बेहतर है और यह किसी भी हथियार की बराबरी करने में सक्षम है। गुणवत्ता, क्षमता और सूक्ष्मता में तेजस के सामने जेएफ-17 कहीं नहीं टिक सकता। तेजस आतंकी ठिकानों पर बालाकोट स्ट्राइक से भी ज्यादा ताकत से हमला करने में सक्षम है। एक तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान की कीमत करीब 550 करोड़ रुपये है, जो एचएएल द्वारा ही निर्मित सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से करीब 120 करोड़ रुपये ज्यादा है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान इसी श्रेणी के दूसरे हल्के लड़ाकू विमानों से महंगा इसलिए है क्योंकि इसे बहुत सारी नई तकनीक के उपकरणों से लैस किया गया है। इसमें इसराइल में विकसित रडार के अलावा स्वदेश में विकसित रडार भी हैं। इसके अलावा इसमें अमेरिका की जीई कम्पनी द्वारा निर्मित एफ-404 टर्बो फैन इंजन लगा है। यह बहुआयामी लड़ाकू विमान है, जो मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों में भी बेहतर नतीजे देने में सक्षम है। करीब 6560 किलोग्राम वजनी तेजस दुनिया में सबसे हल्का फाइटर जेट है, जो 15 किलोमीटर ऊंचाई तक उड़ सकने में सक्षम एक सुपरसोनिक फाइटर जेट है, जिसके निचले हिस्से में एक साथ नौ प्रकार के हथियार लोड और फायर किए जा सकते हैं। यदि इसे सभी प्रकार के हथियारों से लैस कर दिया जाए, तब इसका कुल वजन 13500 किलोग्राम होगा। लंबी दूरी की मार करने वाली मिसाइलों से लैस तेजस अपने लक्ष्य को लॉक कर उस पर निशाना दागने की विलक्षण क्षमता रखता है।

मानवता को ऐसे कई शंकर चाहिए

शंकर रामचंदानी डॉक्टर, समाजसेवी

कम या ज्यादा, हम सब अपनी जिंदगी में मुसीबतों और तकलीफों से दो-चार होते हैं, बारहा हमें अपना दुख सबसे ज्यादा लगता है और फिर उनसे निपटने को ही अपनी जिंदगी की सफलता भी मान बैठते हैं, मगर जीना किसे कहते हैं, यह सबक हमें डॉक्टर शंकर रामचंदानी जैसे लोगों के कर्म देते हैं। ओडिशा के एक पिछड़े जिले संबलपुर में लगभग 38 साल पहले ब्रह्मानंद रामचंदानी के बेटे शंकर का जन्म हुआ था। यह वह दौर था, जब बड़े संयुक्त परिवार हुआ करते थे और इक्का-दुक्का लोगों की कमाई पर ही पूरा कुनबा पलता था। गरीब परिवार इसी साझीदारी में अपने गम और संतोष बांट लिया करते थे। ब्रह्मानंद की कर्मठता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 32 सदस्यों वाले खानदान में वह अकेले कमाने वाले थे और एक छोटी-सी स्टेशनरी की दुकान उन सबका पेट पालती थी। जाहिर है, तमाम अभावों को एक-दूसरे का साथ ढकता रहा। लेकिन एक मोड़ पर यह भावनात्मक सहयोग भी संबल नहीं दे पाता था। भूख तो एक शाम पानी पीकर भी दबाई जा सकती थी, पर कोई बीमारी इसकी इजाजत नहीं देती, और फिर जब रोग कैंसर जैसा हो, तब तो और किसी तरह की मोहलत की गुंजाइश नहीं बनती थी। ब्रह्मानंद के पिता और भाई, दोनों इस जानलेवा रोग की जद में आ गए थे। आसपास उपचार की प्राथमिक सुविधा न होने और दूसरी जगह इलाज कराने की आर्थिक हैसियत न होने के कारण वे उन्हें भीषण कष्ट झेलते हुए मौत की गोद में जाते बेबस देखते रहे। पिता और भाई की दुखद मौत ने ब्रह्मानंद को एक मकसद दे दिया कि वह अपने बच्चों को डॉक्टर बनाएंगे, ताकि वे गरीब मरीजों को यूं तड़प-तड़पकर मरने से बचा सकें। शंकर अपने पिता को गरीबी से संघर्ष करते और इस मलाल के साथ जीते देखकर बड़े हुए कि वे अपनों का इलाज न करा सके। पिता के उस अफसोस ने शंकर को डॉक्टर बनने का संकल्प दे दिया और वह उसे साकार करने में जुट गए। यह आसान काम नहीं था। शंकर पांच भाइयों में सबसे छोटे हैं, और उनकी चार बहनें भी हैं। इतने बड़े कुनबे का भरण-पोषण करते हुए उनके पिता ब्रह्मानंद की 2001 में मौत हो गई। शंकर उस वक्त 17 साल के थे। पिता की मौत के बाद उनके सबसे बड़े भाई के कंधों पर परिवार की देखभाल की जवाबदेही आ गई थी। स्थिति यह थी कि शंकर के पास किताबें खरीदने तक को पैसे नहीं होते। ऐसे में, वरिष्ठ साथियों की पुरानी किताबों का आसरा होता। पिता के सपने को साकार करने के जज्बे में शंकर ने खूब मेहनत की और मेडिकल की प्रवेश परीक्षा में वह पूरे ओडिशा में दूसरे नंबर पर आए। वह डॉक्टर भी बने, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि डिग्री मिलते ही पिता की इच्छा के अनुरूप वह गरीबों के मुफ्त इलाज के लिए फौरन नर्सिंग होम खोल सकें। लेकिन वह इच्छा शंकर के भीतर दिन-रात पलती रही। उस भावना को उन्होंने कभी मरने नहीं दिया। और इसकी एक नजीर सन 2019 में देखने को मिली, जब एक कुष्ट रोगी को अपनी गोद में उठाए उनकी तस्वीर अखबारों की सुर्खियों में छा गई। डॉ शंकर ने जिस मेडिकल कॉलेज (वीआईएमएसएआर) से एमबीबीएस, एमडी की डिग्री हासिल की, उसी में सन 2021 में वह असिस्टेंट प्रोफेसर भी नियुक्त हुए और फिर अपने सदाशयी कदमों से लोगों के दिल में घर करते गए। कोविड महामारी के दौरान गरीबों की बेहाली ने एक बार फिर उन्हें पिता की पीड़ा का शिद्दत से एहसास कराया और फरवरी 2021 में ही उन्होंने 'वन रुपी क्लिनिक' की शुरुआत की। डॉ शंकर गरीब मरीजों से फीस के तौर पर एक रुपया इसलिए वसूलते हैं, ताकि उन्हें यह मानसिक संतोष हो सके कि उन्होंने अपने इलाज के लिए कुछ तो चुकाया है।

क्लिनिक में आने वाले कुछ मरीज तो 10-20 रुपये की दवा भी नहीं खरीद सकते। ऐसे लोगों के लिए शंकर सरकार की 'जन औषधि योजना' से दवाएं खरीदते हैं। दिन भर वीआईएमएसएआर में सेवा देने के बाद वह रोज शाम नियमित रूप से क्लिनिक में गरीब मरीजों को वक्त देते हैं। डॉक्टर शंकर की संवेदनशीलता से जुड़ी एक और खबर ने पिछले अक्तूबर में देश-विदेश से उनके लिए दुआएं बटोरी। उनके सरकारी अस्पताल के महिला वार्ड में एक लकवाग्रस्त बुजुर्ग पुष्पांजलि बाघ पिछले तीन साल से भर्ती थीं। उनके पति ने उन्हें छोड़ दूसरी शादी कर ली थी। पुष्पांजलि से हॉस्पिटल कर्मचारियों को लगाव हो गया था, मगर उनकी मौत के बाद न उनके ससुराल से कोई उनका शव लेने आया और न ही मायके से। अंततः तमाम वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर डॉ शंकर ने वैदिक रीति से उनका अंतिम संस्कार किया। डॉ शंकर के नाम परोपकार की कई मिसालें हैं, और वे दूसरों को भी गरीबों की मदद के लिए प्रेरित करते हैं। देश और इंसानियत को ऐसे बहुत सारे शंकरों की दरकार है।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

सू-दोकू नवताल -2052

		4		6	5	7		
7			3	2			5	
						6	4	
	8	9		5	1	2	7	6
5	1	6	8	7		4	9	
	9	3						
	7			1	8			9
		8	7	3		1		

सू-दोकू -2051 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-4
3. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-5
6. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-2
7. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-3
9. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-4
11. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-2
12. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-3
14. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-3
15. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-3
17. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-3
18. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-3
20. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-2
22. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
24. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-3
26. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-3
27. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-3
28. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-2
29. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-2
30. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-2
31. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-2,2

फिल्म वर्ग पहेली-2052

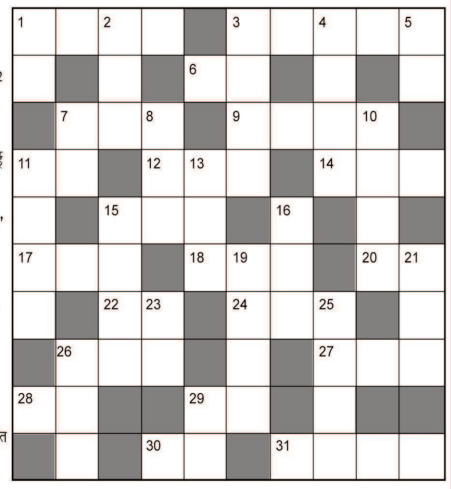

ऊपर से नीचे:-

1. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-2
2. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-3
3. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-4
4. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
5. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-2
7. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्वाणी मुखर्जी की फिल्म-2
8. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
10. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-4
11. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-2,2
13. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-3
15. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-2,2
16. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-3
19. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-1,2,1
21. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-3
23. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-2
25. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-4
26. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-3
29. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-2

फिल्म वर्ग पहेली-2051

जन्म कुंडली से पता चलते हैं दाम्पत्य जीवन में कलह और मधुरता के योग

दाम्पत्य में जीवन साथी अनुकूल हो तो हर तरह की परिस्थितियों का सामना किया जा सकता है लेकिन यदि दाम्पत्य जीवन में दोनों में से किसी भी एक व्यक्ति का व्यवहार यदि अनुकूल नहीं रहता है तो रिश्ते में कलह और परेशानियों का दौर लगा रहता है। ज्योतिषशास्त्र में जातक की जन्म कुंडली को देखकर, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि आपके दाम्पत्य जीवन में कलह के योग कब उत्पन्न हो सकते हैं।

जीवन में कलह के योग बनते हैं-

- कुंडली में सप्तम या सातवाँ घर विवाह और दाम्पत्य जीवन से सम्बन्ध रखता है। यदि इस घर पर पाप ग्रह या नीच ग्रह की दृष्टि रहती है तो वैवाहिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है।
- यदि जातक की जन्मकुंडली के सप्तम भाव में सूर्य हो तो उसकी पत्नी शिक्षित, सुशील, सुंदर एवं कार्यों में दक्ष होती है, किंतु ऐसी स्थिति में सप्तम भाव पर यदि किसी शुभ ग्रह की दृष्टि न हो तो दाम्पत्य जीवन में कलह और सुखों का अभाव बन जाता है।
- यदि जन्म कुण्डली में प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, द्वादश स्थान स्थित मंगल होने से जातक को मंगली योग होता है इस योग के होने से जातक के विवाह में विलम्ब, विवाहोपरान्त पति-पत्नी में कलह, पति या पत्नी के स्वास्थ्य में क्षीणता, तलाक एवं क्रूर मंगली होने पर जीवन साथी की मृत्यु तक हो सकती है।
- जन्म-कुंडली के सातवें या सप्तम भाव में अगर अशुभ ग्रह या क्रूर ग्रह (शनि, राहू, केतु या मंगल) ग्रहों की दृष्टी हो तो दाम्पत्य जीवन में कलह के योग उत्पन्न हो जाते हैं। शनि और राहु का सप्तम भाव होना भी वैवाहिक जीवन के लिए शुभ नहीं माना जाता है।
- राहु, सूर्य और शनि पृथकतावादी ग्रह हैं, जो सप्तम (दाम्पत्य)और द्वितीय (कुटुंब) भावों पर विपरीत प्रभाव डालकर वैवाहिक जीवन को नारकीय बना देते हैं।
- यदि अकेला राहू सातवें भाव में तथा अकेला शनि पांचवें भाव में बैठा हो तो तलाक हो जाता है। किन्तु ऐसी अवस्था में शनि को लग्नेश नहीं होना चाहिए। या लग्न में उच्च का गुरु नहीं होना चाहिए।
- अब इसी प्रकार एक सुखमय और मधुर वैवाहिक जीवन की बात करें तो जातक की जन्म-कुंडली में ग्रहों की स्थिति कुछ इस प्रकार से होनी चाहिए-
- सप्तमेश का नवमेश से योग किसी भी केंद्र में हो तथा बुध, गुरु अथवा शुक्र में से कोई भी या सभी उच्च राशि गत हो तो दाम्पत्य जीवन सुखमय पूर्ण रहता है।
- यदि दोनों में से किसी की भी कुंडली में पंच महापुरुष योग बनाते हुए शुक्र अथवा गुरु से किसी कोण में सूर्य हो तो दाम्पत्य जीवन अच्छा होता है।
- यदि सप्तमेश उच्चस्थ होकर लग्नेश के साथ किसी केंद्र अथवा कोण में युति करे तो दाम्पत्य जीवन सुखी होता है।
- यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में वैवाहिक जीवन को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो उपाय के लिए सबसे पहले पति-पत्नी की कुंडली का मिलान बेहद जरूरी हो जाता है। दोनों जातकों की

कुंडली का एक मिलान करके ही ज्योतिषाचार्य उपाय को बता सकते हैं।

- कई बार देखा गया है कि यदि पत्नी की कुंडली में यह दोष मौजूद है और पति की कुंडली अनुकूल है तो समस्या थोड़ी कम हो जाती है और इसी के उल्ट भी कई बार हो जाता है। लेकिन यदि दोनों व्यक्तियों की कुंडली में सप्तम भाव सही नहीं रहता है तो उस स्थिति में जीवन नरकीय बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में कुंडली का मिलन समय से कराकर, उपायों को अगर अपनाया जाए तो पीड़ा कम हो जाती है।

सभी प्रकार के रोगों और पीड़ाओं से मुक्ति दिलाता है हनुमान यज्ञ

'नासे रोग हरे सब पीरा। जो सुमिरे हनुमंत बलबीरा।।'

हनुमान चालीसा की यह चौपाई बताती है कि बजरंग बली सभी प्रकार रोगों और पीड़ाओं से मुक्ति दिला सकते हैं। इसी प्रकार कलयुग में हनुमान यज्ञ सभी प्रकार की पीड़ा से मुक्ति दिलाने वाला और धन और यश की प्राप्ति के लिए एक उत्तम और चमत्कारिक उपाय के रूप में बताया जाता है। संतों के अनुसार हनुमान यज्ञ में इतनी शक्ति है कि अगर विधिवत रूप से यज्ञ को कर लिया जाए तो यह व्यक्ति की हर मनोकामना को पूरा कर सकता है। इसलिए शायद कई हिन्दू राजा युद्ध में जाने से पहले हनुमान यज्ञ का आयोजन जरूर करते थे।

आइये जानते हैं कैसे होता है हनुमान यज्ञ और यदि कोई हनुमान यज्ञ नहीं करवा सकता है तो हनुमान जी की कृपा प्राप्ति का अन्य उपाय-

हनुमान यज्ञ को एक सिद्ध ब्राह्मण की आवश्यकता से ही विधिवत पूर्ण किया जा सकता है। यह यज्ञ इंसान को धन और यश की प्राप्ति करवाता है। जो भी व्यक्ति हनुमान यज्ञ से हनुमान जी की पूजा करता है और ध्यान करता है उसके जीवन में सभी समस्याएं निश्चित रूप से समाप्त हो जाती हैं। हनुमानजी को प्रसन्न करने का यह सर्वाधिक लोकप्रिय उपाय है। इस यज्ञ में हनुमान जी के मन्त्रों द्वारा, इनको बुलाया जाता है और साथ ही साथ अन्य देवों की भी आराधना इस यज्ञ में की जाती है। कहा जाता है कि इस यज्ञ में जैसे ही भगवान श्रीराम का स्मरण किया जाता है तो इस बात से प्रसन्न होकर, हनुमान जी यज्ञ स्थल पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में विराजमान हो जाते हैं।

हनुमान यज्ञ के लिए कुछ आवश्यक वस्तुयें-

लाल फूल, रोली, कलावा, हवन कुंड, हवन की लकडियाँ, गंगाजल, एक जल का लोटा, पंचामृत, लाल लंगोट, पांच प्रकार के फल। पूजा सामग्री की पूरी सूची, यज्ञ से पहले ही ब्राह्मण द्वारा बनवा लेनी चाहिए।

हनुमान यज्ञ के लिए सबसे लिए मंगलवार का दिन बहुत शुभ माना जाता है। इस यज्ञ को विधिवत पूरा एक ब्राह्मण की सहायता से ही करवाया जा सकता है।

अगर कोई व्यक्ति किसी कारण, पंडित जी से यज्ञ या हवन नहीं करवा सकता है तो ऐसे वह स्वयं से भी एक अन्य पूजा विधान को घर में खुद से कर सकता है।

पूजन विधि

हनुमान जी की एक प्रतिमा को घर की साफ़ जगह या घर के मंदिर में स्थापित करें और पूजन करते समय आसन पर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठ जाएं। इसके पश्चात हाथ में चावल व फूल लें व इस मंत्र (प्रार्थना) से हनुमानजी का स्मरण करें-

ध्यान करें-

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यं।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।।
ऊँ हनुमते नमः ध्यानार्थे पुष्पाणि समर्पयामि।।

अब हाथ में लिया हुआ चावल व फूल हनुमानजी को अर्पित कर दें।

इसके बाद इन मंत्रों का उच्चारण करते हुए हनुमानजी के सामने किसी बर्तन अथवा भूमि पर तीन बार जल छोड़ें।

ऊँ हनुमते नमः, पाद्यं समर्पयामि।।
अर्घ्यं समर्पयामि। आचमनीयं समर्पयामि।।

इसके बाद हनुमानजी को गंध, सिंदूर, कुंकुम, चावल, फूल व हार अर्पित करें। इसके पश्चात् हनुमान जी की उपयोगी और सरल 'हनुमान चालीसा' का कम से कम 5 बार जाप करें।

सबसे अंत में घी के दीये के साथ हनुमान जी की आरती करें। इस प्रकार यह यज्ञ और निरंतर घर में इस प्रकार किया गया पूजन, हनुमान जी को प्रसन्न करता है और व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं को भी पूरा करता है।

ईश्वर अराधना की एक विधि है आरती

आरती देवी-देवता या अपने आराध्य, अपने ईष्ट देव की स्तुति की उपासना की एक विधि है। आरती के दौरान भक्तजन गाने के साथ साथ धूप दीप एवं अन्य सुगंधित पदार्थों से एक विशेष विधि से अपने आराध्य के सामने घुमाते हैं। मंदिरों में सुबह उठते ही सबसे पहले आराध्य देव के सामने नतमस्तक हो उनकी पूजा के बाद आरती की जाती है। इसी क्रम को सांय की पूजा के बाद भी दोहराया जाता है व मंदिर के कपाट रात्रि में सोने से पहले आरती के बाद ही बंद किये जाते हैं। मान्यता है कि आरती करने वाले ही नहीं बल्कि आरती में शामिल होने वाले पर भी प्रभु की कृपा होती है। भक्त को आरती का बहुत पुण्य मिलता है। आरती करते समय देवी-देवता को तीन बार पुष्प अर्पित किये जाते हैं। मंदिरों में तो पूरे साज-बाज के साथ आरती की जाती है। कई धार्मिक स्थलों पर तो आरती का नजारा देखने लायक होता है। बनारस के घाट हों या हरिद्वार, प्रयाग हो या फिर मां वैष्णों का दरबार यहां की आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। तमिल में आरती को ही दीप आराधनई कहा जाता है।

आरती करते समय भक्त का मन स्वच्छ होना चाहिये अर्थात उसे पूरे समर्पण के साथ आरती करनी चाहिये तभी उसे आरती का पुण्य प्राप्त होता है। माना जाता है कि भक्त इस समय अपने अंतर्मन से ईश्वर को पुकारते हैं इसलिये इसे पंचारती भी कहा जाता है। इसमें भक्त के शरीर के पांचों भाग मस्तिष्क, कंधे, हाथ व घुटने यानि साष्टांग होकर आरती करता है इस आरती को पंच-प्राणों की प्रतीक आरती माना जाता है।

मंत्रों की ध्वनि में होती है शक्ति

वैसे तो मंत्रों के अर्थ इतना महत्व नहीं रखते क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि मंत्रों के अर्थ में नहीं बल्कि ध्वनि में शक्ति होती है। इसका एक कारण यह भी है कि इन मंत्रों की उत्पति के बारे में कहा जाता है कि ये किसी व्यक्ति विशेष द्वारा नहीं लिखे गए हैं बल्कि वर्षों की साधना के बाद ऋषि मुनियों ने इन ध्वनियों को सुना है। विशेषकर बीज मंत्रों के बीजाक्षरों का अर्थ साधारण व्यक्ति के लिए समझना बहुत मुश्किल है उसे ये निर्रथक लगते हैं लेकिन माना जाता है कि ये बीजाक्षर सार्थक हैं और इनमें एक ऐसी शक्ति अन्तर्निहित रहती है जिससे आत्मशक्ति या फिर देवताओं को उत्तेजित किया जा सकता है। ये बीजाक्षर अन्त:करण और वृत्ति की शुद्ध प्रेरणा के व्यक्त शब्द हैं, जिनसे आत्मिक शक्ति का विकास किया जा सकता है। मंत्र का शाब्दिक अर्थ होता है एक ऐसी ध्वनी जिससे मन का तारण हो अर्थात मानसिक कल्याण हो जैसा कि शास्त्रों में कहा गया है 'मन- तारयति इति मंत्र-' अर्थात मन को तारने वाली ध्वनि ही मंत्र है। वेदों में शब्दों के संयोजन से इस प्रकार की कल्याणकारी ध्वनियां उत्पन्न की गई। माना जाता है कि मनुष्य की अवचेतना में बहुत सारी आध्यात्मिक शक्तियां होती हैं जिन्हें मंत्रों के द्वारा प्रयोग में लाया जा सकता है। मंत्र की ध्वनियों के संघर्ष से इन आध्यात्मिक शक्तियों को उत्तेजित किया जाता है हालांकि इसके लिए सिर्फ मंत्रोंच्चारण काफी नहीं है बल्कि दृढ़ इच्छा शक्ति से ध्वनि-संचालन एवं नैष्ठिक आचार भी जरुरी है। तंत्र साधना के मंत्रों में मंत्रोच्चारण की शुद्धि व मंत्रोचार के दौरान विशेष नियमों का पालन करना होता है जो किसी गुरु के मार्गदर्शन में ही संभव है। अक्सर लोग मंत्रों या बीज मंत्रों का जाप करते हैं या फिर जाप करवाते हैं लेकिन इन मंत्रों के मायने क्या हैं इस पर ध्यान नहीं देते लेकिन हर मंत्र में निहित बीजाक्षर और बीजाक्षर में निहित वर्ण बिंदु एवं मांत्राएं किसी न किसी देवी-देवता का प्रतिनिधित्व करती है। इस बारे में विश्वसनीय जानकारी बहुत कम मिलती है। लेकिन फिर भी हमने कुछ प्रयास किया है इन मंत्रों का अर्थ जानने का। यह भी देखने को मिलता है कि गायत्री और मृत्युंजय मंत्र जैसे लोकप्रिय मंत्रों के सरलार्थ तो हमें मिल जाते हैं, लेकिन अन्य मंत्रों के बारे में जानकारी नहीं मिलती।

सोने के पलंग के अंदर भूलकर भी न रखें ये 10 चीजें

आप जिस पर पलंग पर सोते हैं वह बहुत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि आपको उस पर कम से कम 7-8 घंटे गुजारना होते हैं। वास्तु अनुसार पलंग का हमारी सेहत और मन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। अतः आओ जानते हैं कि यदि आपके यहां ऐसा पलंग है जिसमें बिस्तर रखे जा सकते हैं तो भूलकर भी पलंग के भीतर, नीचे या आसपास न रखें ये 10 वस्तुएं।

- **1. कपड़ों की पोटली :** अक्सर लोग पलंग के भीतर गंदे या फटे पुराने कपड़ों की पोटली रख देते हैं जो कि वास्तु अनुसार ठीक नहीं है।
- **2. इलेक्ट्रॉनिक सामान :** घर के बंद या खराब पड़े इलेक्ट्रॉनिक सामान को पलंग के भीतर या नीचे नहीं रखें। इससे अनिद्रा रोग हो सकता है।
- **3. डबल शीट :** पलंग के उपर कभी भी ऐसी शीट या गद्दा ना बिछाएं जो दो भागों में विभाजित हो। इससे पति पत्नी के बीच मनमुटाव बढ़ता है। पलंग पर दो अलग-अलग गद्दों की बजाय एक ही गद्दे का प्रयोग करें। इससे पति-पत्नी में एकता व सामंजस्य बना रहता है।
- **4. लोहे की वस्तु :** पलंग के अंदर या नीचे लोहे की कोई वस्तु न रखें। कई लोग अटाला रख देते हैं।
- **5. प्लास्टिक की वस्तु :** पलंग के अंदर या नीचे प्लास्टिक से बनी कोई भी वस्तु न रखें।
- **6. झाड़ू :** पलंग के नीचे झाड़ू रखते हैं तो इस प्रकार की चीजें सोते समय हमारे मन और मस्तिष्क पर गहरा असर डालने का काम करती है। घर पर आर्थिक परेशानी बनी रहने के साथ लोग हर समय बीमारी लगी रहती है।
- **7. शीशा :** पलंग के सिरहाने या सामने किसी तरह का शीशा, दर्पण नहीं लगा होना चाहिए और पलंग का सिरहाना एकदम प्लेन होने चाहिए। इससे गृहस्वामी को अनिद्रा, बेचैनी आदि परेशानियां हो सकती है।
- **8. जेवर :** पलंग के अंदर कभी भी सोने, चांदी या अन्य धातु के जेवर या गहनें नहीं रखना चाहिए।
- **9. जूते-चप्पल :** सोने से पहले जूते-चप्पल कभी भी बिस्तर के नीचे या सिरहाने की तरफ न रखें इससे निगेटिव एनर्जी आती है। अनावश्यक जूते चप्पल को पलंग के अंदर न रखें।
- **10. तेल :** किसी प्रकार का कोई तेल अपने पास रखकर नहीं सोना चाहिए। इससे जीवन में विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई लोग पलंग पेटी में तेल की केन रख देते हैं जोकि हानिकारक है।

आम आदमी को इस साल भी महंगाई से राहत मिलने की संभावना नहीं

नई दिल्ली ।

आम आदमी को इस साल भी महंगाई से राहत मिलने की संभावना नहीं है। पिछले साल की तरह इस साल भी लोगों के लिए मकान खरीदना आसान नहीं होगा। इसकी प्रमुख वजह मकान की कीमतों में वृद्धि का अनुमान है। पिछले साल भी देश के आठ शहरों में मकानों की कीमतों में 7 फीसदी तक की वृद्धि देखी गई है। सीमेंट और इस्पात जैसे कच्चे माल की कीमतों में तेजी के कारण मकान की कीमतें बढ़ रही हैं। एक ताजा सर्वेक्षण में सामने आया है कि पिछले साल की तरह इस साल भी आम लोगों को मकान खरीदने के लिए पहले से ज्यादा जेब ढीली करनी होगी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और संपत्ति सलाहकार एनारॉक के सर्वे में कहा गया है कि कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि को देखते हुए खरीदारों ने कीमतों में बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। उपभोक्ता सर्वेक्षण में शामिल 55 फीसदी से अधिक खरीदारों ने साल 2022 में आवास कीमतों में वृद्धि का अनुमान जताया है। यह सर्वे जुलाई, 2021 और दिसंबर, 2021 के बीच किया गया। इसमें टियर-1, टियर-2 और टियर-3 श्रेणी के शहरों में 5,210 प्रतिभागियों ने विभिन्न डिजिटल मंचों के जरिये अपनी राय व्यक्त की है। एनारॉक का कहना है कि सर्वेक्षण में 56 फीसदी प्रतिभागियों ने निर्माण के कच्चे माल में वृद्धि और डेवलपर्स के लिए कुल परिचालन लागत में बढ़ोतरी के कारण 2022 में आवास कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई है। इसमें कहा गया है कि घरों की कीमतों में 10 फीसदी से कम की वृद्धि का प्रभाव ज्यादा नहीं होगा, लेकिन 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि का खरीदार की भावना पर अधिक गहरा असर होगा। एचडीएफसी लिमिटेड के चेयरमैन दीपक पारेख का कहना है कि भारतीय रियल एस्टेट बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इस क्षेत्र में मकानों की मांग मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कई अन्य पश्चिमी देशों के विपरीत भारत में आवास की मांग सट्टेबाजी के चलते। पारेख ने कहा कि अपने 50 से अधिक वर्षों के कामकाजी जीवन में उन्होंने भारत में की तुलना में बेहतर आवास क्षमता नहीं देखी है।

दुनिया के बाजारों में स्टरलाइट टेक 2022-23 में 20 फीसदी कारोबार बढ़ाएंगी

नई दिल्ली ।

दुनिया के बाजारों में अपना कारोबार बढ़ाने स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज बड़ी योजना बना रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में प्रमुख बाजारों मसलन अमेरिका, यूरोप और भारत में अपने कारोबार में 20 प्रतिशत वृद्धि होने की उम्मीद है। जिटल नेटवर्क इंटिग्रेटर कंपनी के प्रबंध निदेशक अंकित अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर नेटवर्क के विस्तार तथा 5जी सेवाएं शुरू होने की वजह से स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज के कारोबार में तेज वृद्धि होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट आने और इससे जुड़ी पाबंदियों में ढील देने के बाद कंपनी अपने कर्मचारियों को कार्यालय लौटने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। भारत और वैश्विक स्तर पर कार्यालयों में इसको लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। अग्रवाल ने कहा, 'सावधानी के साथ कंपनी के कारखानों का परिचालन 100 प्रतिशत क्षमता के साथ किया जा रहा है। अभी दफ्तरों में कर्मचारियों को बारी-बारी से बुलाया जा रहा है। आगामी सप्ताहों में इसमें तेजी आएगी।' अग्रवाल ने कहा, 'कंपनी ने पूर्व में कई अधिग्रहण किए हैं। हम अभी कुछ और छोटे अधिग्रहण करना चाहते हैं।' उन्होंने कहा कि कारोबार के मोर्चे पर कंपनी को अमेरिका, यूरोप और भारत जैसे बाजारों में सकारात्मक रुख देखने को मिल रहा है। ये देश भविष्य के लिए विशाल नेटवर्क का सृजन कर रहे हैं और 5जी के लिए ढांचा भी तैयार कर रहे हैं।

परिवहन विभाग के सारथी वेबपोर्टल पर 12 मार्च तक ही की जा सकेगी पुराने डीएल की इंट्री

नई दिल्ली ।

परिवहन विभाग ने पुराने ड्राइविंग लाइसेंस का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने का अंतिम मौका दिया है। परिवहन विभाग ने देश के सभी जिलों के डीटीओ को कहा है कि हस्तलिखित ड्राइविंग लाइसेंस को जल्द से जल्द ऑनलाइन किया जाए। परिवहन विभाग ने कहा कि बैकलॉक इंट्री का प्रावधान भारत सरकार के सारथी वेबपोर्टल पर 12 मार्च तक ही उपलब्ध रहेगा। इसलिए 12 मार्च के बाद से हस्तलिखित निर्गत लाइसेंस वाले ड्राइविंग लाइसेंस की बैकलॉक इंट्री नहीं की जा सकेगी। भारत सरकार के निर्देश के बाद ड्राइविंग लाइसेंसधारक, जिनका डीएल बुकलेट या हाथ से लिख कर जारी हुआ है या फॉर्म या बुकलेट की तरह है, वे सभी भी अब ऑनलाइन किए जाएंगे। ऐसे लोगों से 12 मार्च को शाम चार बजे तक राज्यों के जिला परिवहन कार्यालयों में मूल लाइसेंस के साथ ऑनलाइन इंट्री कराना अनिवार्य है। परिवहन विभाग ने इस संबंध में राज्य के सभी आरटीओ को आदेश जारी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि हस्तलिखित ड्राइविंग लाइसेंस रखने में काफी दिक्कत आती है। इनके भीगने, फटने या खराब होने का डर हमेशा बना रहता है। लेकिन, चिप वाले कार्ड के खराब होने का खतरा लगभग नहीं के बराबर होता है। साथ ही लाइसेंस चेकिंग के दौरान इस तरह के डीएल को लेकर संदेह से भी छुटकारा मिलेगा। कोरोना काल में आम लोगों को कई तरह की रियायतें मिल रही हैं। इसी क्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने भी ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, परमिट सहित आरटीओ से जुड़े कई कामों को लेकर बार-बार तारीख बढ़ाई, लेकिन अब इस तारीख की छूट को खत्म किया जा रहा है। ऐसे में आज की तारीख में डीएल का आधार से लिंक करना एक जरूरी काम हो गया है। इसलिए डीएल ऑनलाइन होने से सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

उत्पादन लागत बढ़ने की वजह से नेस्ले जल्द बढ़ाएगी अपने उत्पादों के दाम

नई दिल्ली ।

खुदरा महंगाई आरबीआई के तय ऊपरी लक्ष्य 6 फीसदी के ऊपर निकल गई है। दो मिनट में बनने वाली मैगी और चॉकलेट पर भी महंगाई का असर दिखाई देने वाला है। उत्पादन लागत बढ़ने की वजह से किटकैट और नेस्कैफे बनाने वाली कंपनी नेस्ले जल्द ही अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने वाली है। नेस्ले ने बताया है कि वह अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने वाली है। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन का कहना है कि फूड और कमोडिटी की बढ़ती महंगाई चिंता का विषय है। कंपनी अपनी लागत को घटाने के लिए अब कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालना चाहती है। इसलिए कीमतों में इजाफा करना अब जरूरी हो गया है। नेस्ले ने कहा कि उसने बढ़ती परिचालन लागत की भरपाई के लिए कंपनी अपनी वित्तीय परिणाम से पहले ही कीमतों में 3.1 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकती है। 2021 के मुकाबले साल 2022 में इनपुट लागत और बढ़ेगी। ऐसे में उनके पास दाम बढ़ाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। कंज्यूमर गुड्स कंपनियां पहले भी कच्चे माल, ऊर्जा और श्रम की बढ़ती लागत के कारण उत्पादों के लिए कीमतों में वृद्धि की चेतावनी दे चुकी हैं। नेस्ले के मुताबिक, पिछले साल कुल बिक्री में 3.3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान उसका शुद्ध लाभ भी 38.2 फीसदी बढ़ा है। कंपनी ने कहा कि महामारी के दौरान कॉफी, घरेलू उत्पाद और हेल्दी फूड प्रोडक्ट्स की बिक्री बढ़ी है। अमेरिका में महंगाई की दर 40 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व भी ब्याज दरें बढ़ाने वाली है। इसी तरह, ब्रिटेन में जनवरी में खुदरा महंगाई 5.5 फीसदी पहुंच गई है, जो 30 साल का उच्च स्तर है। बैंक ऑफ ब्रिटेन में जनवरी में खुदरा महंगाई 5.5 फीसदी पहुंच गई है, जो 30 साल का उच्च स्तर है। बैंक ऑफ इंग्लैंड का अनुमान है कि आने वाले समय में महंगाई 2 फीसदी और बढ़ सकती है।

संक्षिप्त समाचार

फेडफिना ने सेबी में आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा कराए

नई दिल्ली । विस्तार के लिए अग्रसर फेडरल बैंक की अनुषंगी फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (फेडफिना) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के दस्तावेज जमा कराए हैं। फेडरल बैंक ने रविवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि फेडफिना ने 19 फरवरी को सेबी के पास दस्तावेज (डीआरएचपी) जमा कराए हैं। आईपीओ के तहत नए शेयर जारी किए जाएंगे और साथ ही फेडरल बैंक और टू नॉर्थ फंड छह एलएलपी द्वारा बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। फेडरल बैंक ने कहा, 'फेडफिना के आईपीओ के तहत 900 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा बैंक 1,64,97,973 इक्विटी शेयरों तथा टू नॉर्थ फंड छह एलएलपी 2,92,16,313 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश लाएगा।' वित्त वर्ष 2020-21 में फेडफिना ने 697.72 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया था और उसका शुद्ध लाभ 61.68 करोड़ रुपये रहा था। 31 मार्च, 2021 तक कंपनी का नेटवर्थ 834.73 करोड़ रुपये रहा था। आईपीओ के बाद भी फेडफिना फेडरल बैंक की अनुषंगी बनी रहेगी।

मार्च के महीने में 13 दिन बंद रहेंगे बैंक, आरबीआई ने जारी की लिस्ट

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मार्च 2022 के लिए बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जारी कर दी है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप ब्रांच जाने से पहले बैंक की छुट्टी के बारे में जरूर पता कर लें। इस सूची के मुताबिक मार्च 2022 में कुल 13 दिन बैंक बंद रहेंगे। मार्च में बैंकों की कुल 13 दिन की छुट्टियों में 4 छुट्टी रविवार के हैं। इनमें कई छुट्टियां लगातार पड़ने वाली हैं। उल्लेखनीय है कि पूरे देश में 13 दिन बैंक बंद नहीं रहेंगे। आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई अवकाश की सूची के मुताबिक, ये छुट्टियां अलग-अलग राज्यों में हैं। ये सभी छुट्टियां सभी राज्यो में लागू नहीं होंगी। आरबीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक रविवार के अलावा महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक बंद रहते हैं।

मंडी में आवक बढ़ने से सरसों के तेल में नरमी रही

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में तेजी की वजह से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को मूंगफली और सोयाबीन तेल तिलहन, बिनौला, सीपीओ, पामोलीन तेल की कीमतों में सुधार का रुख रहा। वहीं सरसों की नई फसल की मंडियों में आवक बढ़ने से सरसों तेल तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। जानकारों ने कहा कि विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद मंडियों में सरसों की नई फसल की आवक बढ़ने से सरसों तेल तिलहन के भाव में नरमी रही। उन्होंने कहा कि हल्के तेलों में सोयाबीन और बिनौला तेल से जिस सरसों तेल का भाव 25-30 रुपए किलो अधिक रहा करता था, उसके नई फसल की आवक बढ़ने के बाद 15-20 दिन में इन हल्के तेलों के मुकाबले 5-7 रुपए किलो सस्ता हो जाने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि सरकार को खाद्य तेलों के आयात को कम करने के साथ तेल तिलहन के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए तिलहन उत्पादन बढ़ाने पर जोर देना चाहिए। मूंगफली तेल, हल्के तेलों में सोयाबीन और बिनौला तेल से सस्ता हो गया है। वहीं बाकी तेल तिलहनों के भाव अपरिवर्तित रहे। बाजार में इन तेलों के थोक भाव (रुपए प्रति क्विंटल) इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 8275-8300 रुपए (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव), मूंगफली 6,125- 6,220 रुपए, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)13,550 रुपए, मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2185-2,370 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 16,580 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2445-2490 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2645-2740 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 16,700-18,200 रुपए, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 14,550 रुपए, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 14,300 रुपए, सरसों पक्की घानी 2445-2490 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी- 2645-2740 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 16,700-18,200 रुपए, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 14,550 रुपए, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 14,300 रुपए, सोयाबीन तेल डीगम, ।

एफपीआई ने इस म हिने अब तक बाजारों से 18,856 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । इस मे हिने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अब तक भारतीय बाजारों से 18,856 करोड़ रुप की निकासी की है। भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना के बीच एफपीआई की निकासी में बढ़ोतरी देखी गई है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से 18 फरवरी के दौरान एफपीआई ने शेयरों से 15,342 करोड़ रुपए और ऋण या बांड बाजार से 3,629 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने हाइब्रिड माध्यमों में 115 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इस तरह उनकी निकासी 18,856 करोड़ रुपए रही है। यह लगातार पांचवां महीना है जबकि विदेशी कोषों ने भारतीय बाजारों से निकासी की है। जानकारों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना के बीच एफपीआई हाल के समय में भारतीय शेयरों से निकासी कर रहे हैं। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी का संकेत दिए जाने के बाद उनकी बिकवाली भी तेज हुई है। अमेरिका और रूस के बीच यूक्रेन को लेकर तनाव बढ़ने से निवेशकों का रुख बांड और सोने जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों की तरफ हो गया है। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से करीब आठ अरब डॉलर निकाले हैं।

अगले साल छह अरब डॉलर की सीमा पार कर जाएगा चमड़ा-फुटवियर का निर्यात

नई दिल्ली ।

देश के चमड़ा एवं फुटवियर (जूते-चप्पल) निर्यात के वर्ष 2022-23 में छह अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर जाने की संभावना है। अमेरिका और पश्चिम एशिया एवं अफ्रीकी देशों में मांग बढ़ने से इसमें तेजी आने की उम्मीद है। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के चेयरमैन संजय लीखा ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद पश्चिम एशिया के बाजार में भारतीय चमड़ा उत्पादों की पहुंच बढ़ने में मदद मिलेगी। इससे भारत का चमड़ा एवं फुटवियर निर्यात बेहतर होगा। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों यानी अप्रैल-दिसंबर के दौरान देश से चमड़ा एवं फुटवियर निर्यात 33 प्रतिशत बढ़कर 3.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2020-21 में निर्यात 3.3 अरब डॉलर रहा था जबकि 2019-20 में भारत ने 4.7 अरब डॉलर का निर्यात किया था। लीखा ने कहा हमें अमेरिका और वहां के बड़े ब्रांडों से बढ़िया प्रतिक्रिया मिल रही है। हमें लातिनी अमेरिका, पश्चिम एशिया और यूरोप में भी अच्छी वृद्धि हासिल होने की उम्मीद है। इस परिदृश्य में हमें विश्वास है कि वर्ष 2022-23 में निर्यात का आंकड़ा छह अरब डॉलर को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑर्डर बुक की स्थिति अच्छी है और चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग कोविड-19 महामारी के दुष्प्रभावों से उबरने को लेकर काफी आशान्वित है।सीएलई के प्रमुख ने कहा कि इस उद्योग का कुल कारोबार अगले पांच साल में 30 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। इसमें घरेलू कारोबार 20 अरब डॉलर का होगा जबकि 10 अरब डॉलर का निर्यात कारोबार होगा। इससे करीब 15 लाख नए रोजगार भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि निर्यात मांग बढ़ने से इस क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। पहले से ही इस उद्योग में करीब 45 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। पहले से ही इस उद्योग में करीब 45 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है।

आईपीओ ला रही एलआईसी आने वाले समय में बनेगी निजी कंपनियों के लिए बड़ी चुनौती

मुंबई ।

देश की बीमा क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का जल्द ही आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आ रहा है। अपने कारोबार को गैर-प्रतिभागी पॉलिसी की दिशा में मोड़कर निजी बीमा कंपनियों को तगड़ी चुनौती दे सकती है। स्विस ब्रोकरेज फर्म क्रेडिट सुइस ने आईपीओ की मंजूरी के लिए बाजार नियामक सेबी के पास दायर आवेदन ब्योरे का विश्लेषण करने के बाद तैयार एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। रिपोर्ट कहती है कि एलआईसी की कारोबारी प्रमुखता में बदलाव का सबसे ज्यादा असर एसबीआई लाइफ, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एचडीएफसी लाइफ और मैक्स लाइफ जैसी जीवन बीमा कंपनियों को उठाना पड़ेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एलआईसी पहले ही अपने मार्जिन को सात प्रतिशत अंक बेहतर करते हुए 9.9 प्रतिशत पर पहुंचा चुकी है। सरकार ने एलआईसी के अधिशेष एवं लाभ वितरण नियमों में बदलाव कर इसके मार्जिन में बढ़ोतरी का रास्ता आसान बनाया है। इसकी वजह से एलआईसी अपने कारोबार में भागीदार पॉलिसी के साथ गैर-प्रतिभागी पॉलिसी को भी 10 प्रतिशत जगह दे सकेगी जो फिलहाल महज चार प्रतिशत है। इससे एलआईसी अपने मार्जिन को 20 प्रतिशत तक भी लेकर जा सकती है। क्रेडिट सुइस का यह अनुमान इस संकल्पना पर आधारित है कि एलआईसी का बीमा कारोबार पूरी तरह नए अधिशेष वितरण की तरफ स्थानांतरित हो जाएगा। वर्तमान में गैर-प्रतिभागी पॉलिसी सौ फीसदी और प्रतिभागी पॉलिसी 10 प्रतिशत है। प्रतिभागी बीमा पॉलिसी के तहत पॉलिसीधारकों को बोनस या लाभांश वितरण के रूप में गारंटीशुदा एवं बिना गारंटी वाले दोनों लाभ दिए जाते हैं। वहीं गैर-प्रतिभागी पॉलिसी में पॉलिसीधारक को अमूमन गारंटीशुदा फायदे मिलते हैं लेकिन उन्हें लाभ या लाभांश नहीं दिया जाता है।फिलहाल एलआईसी का अपने नए कारोबार प्रीमियम का सिर्फ चार प्रतिशत ही गैर-प्रतिभागी पॉलिसी से आता है। इसके उलट निजी क्षेत्र की शीर्ष बीमा कंपनियों का यह अनुपात 20 से 45 प्रतिशत तक है। रिपोर्ट कहती है कि एलआईसी का गैर-प्रतिभागी पॉलिसी का मार्जिन अपने ही प्रतिभागी पॉलिसी कारोबार से अधिक है और निजी कंपनियां भी इस मामले में उससे पीछे हैं। देश में उदारीकरण की नीतियों की शुरुआत के 21 साल बाद भी एलआईसी का नई बीमा पॉलिसी कारोबार में बाजार हिस्सेदारी 66 प्रतिशत है। इसकी बड़ी हैसियत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कंपनी से उसकी प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां 16 गुना अधिक है। एलआईसी के बाद दूसरे स्थान पर मौजूद कंपनी से उसकी प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां 16 गुना अधिक है।

ईपीएफओ कर रहा 15,000 से ज्यादा मूल वेतन वालों के लिए नई पेंशन स्कीम लाने की तैयारी

नई दिल्ली । एंप्लाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन (ईपीएफओ) संगठित क्षेत्र के 15 हजार रुपये से ज्यादा का मूल वेतन पाने वाले तथा एंप्लाई पेंशन स्कीम-1995 के तहत अनिवार्य रूप से पेंशन नहीं पाने वाले कर्मचारियों के लिए एक नई पेंशन स्कीम लाने पर विचार कर रहा है। वर्तमान में संगठित क्षेत्र के वे कर्मचारी जिनका मूल वेतन (बेसिक पे और डीए) 15 हजार रुपए तक है, अनिवार्य रूप से ईपीएस-95 के तहत आते हैं। एक सूत्र ने बताया ईपीएफओ के सदस्यों के बीच ऊंचे योगदान पर अधिक पेंशन की मांग की गई है। इस प्रकार उन लोगों के लिए एक नया पेंशन उत्पाद या योजना लाने के लिए सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है, जिनका मासिक मूल वेतन 15,000 रुपए से अधिक है। सूत्र के अनुसार, इस नए पेंशन उत्पाद पर प्रस्ताव 11 और 12 मार्च को गुवाहाटी में ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी (सीबीटी) की बैठक में आ सकता है। बैठक के दौरान सीबीटी द्वारा नवंबर, 2021 में पेंशन संबंधी मुद्दों पर गठित एक उप-समिति भी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। सूत्र ने बताया कि ऐसे ईपीएफओ अंशधारक हैं जिन्हें 15,000 रुपए से अधिक का मासिक मूल वेतन मिल रहा है, लेकिन वे ईपीएस-95 के तहत 8.33 फीसदी की कम दर से ही योगदान कर पाते हैं। इस तरह उन्हें कम पेंशन मिलती है। ईपीएफओ ने 2014 में मासिक पेंशन योग्य मूल वेतन को 15,000 रुपए की सीमा केवल सेवा में शामिल होने के समय लागू होती है।

नई नीति से हरित हाइड्रोजन विनिर्माण लागत 40-50 प्रतिशत कम होगी : आईओसी

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) कार्बन उत्सर्जन वाली इकाइयों को बदलने के लिए 2024 तक अपनी मथुरा और पानीपत रिफाइनरियों में हरित हाइड्रोजन संयंत्र लगाएगी। कंपनी का मानना है कि हालिया घोषित हरित हाइड्रोजन नीति ऊर्जा बदलाव की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पहल है और इससे लागत को कम करने में मदद मिलेगी। आईओसी के निदेशक शोध एवं विकास एसएसवी रामकुमार का कहना है कि नई नीति से हरित हाइड्रोजन के विनिर्माण की लागत में 40-50 प्रतिशत की कटौती होगी। उन्होंने कहा कि यह नीति हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए सबसे बड़ी समर्थक साबित होगी। पेट्रोलियम रिफाइनरियां, उर्वरक संयंत्र और इस्पात इकाइयां तैयार उत्पादों के उत्पादन के लिए प्रक्रिया में ईंधन के रूप में हाइड्रोजन का उपयोग करती हैं। रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल से अतिरिक्त सल्फर को हटाने के लिए हाइड्रोजन का उपयोग किया जाता है। मौजूदा समय में हाइड्रोजन प्राकृतिक गैस या नेफ्था जैसे जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न होता है और इससे कार्बन उत्सर्जन होता है। आईओसी ने इस ग्रे हाइड्रोजन को हरित हाइड्रोजन से बदलने की योजना बनाई है, जिसे स्वच्छ हाइड्रोजन भी कहा जाता है। इसमें ऊर्जा का इस्तेमाल नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर या पवन से किया जाता है और पानी को इलेक्ट्रोलिसिस (विद्युत अपघटन) प्रक्रिया के जरिये दो हाइड्रोजन कणों और एक ऑक्सीजन कण में बांटा जाता है। ननवीकरणीय ऊर्जा की दो रुपए प्रति किलोवॉट (या प्रति यूनिट) की मुख्य लागत वास्तव में उत्पादन स्थल की कीमत है। इसे पारेषण लाइनों के जरिये विभिन्न राज्यों में भेजे जाने पर अलग-अलग शुल्क लगते हैं। इसके बाद यह लागत चार से सात रुपए प्रति यूनिट हो जाती है। उन्होंने बताया कि कारखाना गेट की लागत चार से सात रुपए प्रति यूनिट पर हरित हाइड्रोजन की उत्पादन लागत 500 रुपए प्रति किलो आती है।

वहीं मौजूदा ग्रे हाइड्रोजन में यह सिर्फ 150 रुपए प्रति किलो बैठती है। 17 फरवरी को घोषित हाइड्रोजन नीति के तहत हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के खुले इस्तेमाल की छूट होगी और उस पर केंद्रीय अधिभार और अंतर-राज्य पारेषण शुल्क नहीं लगेगा। यह सुविधा 30 जून, 2025 से पहले शुरू होने वाली परियोजनाओं पर मिलेगी।

सेबी ने वैकल्पिक निवेश नीति पर सलाहकार समिति पुनः गठित की

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने वैकल्पिक निवेश नीति (एआईएफ) पर सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया है। यह समिति बाजार नियामक को एआईएफ क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर परामर्श देती है। सेबी के अनुसार अब इस समिति के सदस्यों की संख्या 20 है। सेबी ने इस समिति का गठन मार्च, 2015 में किया था। पहले इस समिति में 22 सदस्य थे। अभी तक इस समिति ने वैकल्पिक निवेश उद्योग पर तीन रिपोर्ट सौंपी हैं। समिति के प्रमुख इन्फोसिस के सह-संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति हैं। मूर्ति के अलावा समिति में सेबी, वित्त मंत्रालय, एआईएफ कंपनियों और उद्योग संघों से सदस्य शामिल हैं। सेबी के अनुसार समिति के सदस्यों में टीवीएस कैपिटल फंडस के गोपाल श्रीनिवासन, गाजा कैपिटल के सह-संस्थापक एवं प्रबंध भागीदार गोपाल जैन, एचडीएफसी कैपिटल एडवाइजर्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ विपुल रूंगटा, इंडियन प्राइवेट इक्विटी एंड वेंचर कैपिटल एसोसिएशन की चेयरपर्सन रेणुका रामनाथ शामिल हैं। इसके अलावा समिति में व्हाइट ओक कैपिटल मैनेजमेंट के संस्थापक एवं भागीदार प्रशांत खेमका, पीडब्ल्यूसी के भागीदार गौतम मेहरा, अनर्स्ट एंड यंग के भागीदार सुब्रमण्यम कृष्णन, वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के उपनिदेशक दीपक रंजन, एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बैंकर्स ऑफ इंडिया के वाइस-चेयरमैन महावीर लुनावत और सेबी के कार्यकारी निदेशक सुजीत प्रसाद शामिल हैं।

कम पानी में भी हो सकती है धान की अच्छी पैदावार

सूखा प्रतिरोधी धान की खेती करना अब मुमकिन हो गया है। शुक्र है कि गेहूं की तरह अब चावल उगाने के लिए तकनीक उपलब्ध हो गई है। इसका मतलब यह हुआ कि धान के खेत को हमेशा पानी से भरा हुआ रखे बिना भी इसकी खेती की जा सकती है। नई तकनीक से धान की फसल के लिए पानी की जरूरत में 40 से 50 फीसदी तक कम करने में मदद मिलेगी।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और फिलिपींस स्थित अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) ने संयुक्त रूप से यह तकनीक विकसित की है। इस परियोजना में कटक स्थित केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) की भी भागीदारी है। कटक स्थित संस्थान ने ही धान की वैसी किस्मों की पहचान की है जिन्हें दूसरी फसलों की तरह कुछ दौर की सिंचाई के जरिए उगाया जा सकता है। इसने ऐसी कृषि पध्दतियों की भी खोज की है जिसके जरिए धान की ऐसी किस्मों से करीब-करीब उतनी उपज हो सकती है जितनी सामान्य तौर से ज्यादा पैदावार वाली धान की होती है। तकनीकी तौर पर यह एरोबिक राइस कल्टिवेशन कहलाता है। इस तकनीक में धान के खेत में स्थिर पानी की जरूरत नहीं होती और न ही धान के छोटे पौधे तैयार करने की आवश्यकता होती है जैसा कि आम तौर पर होता है और बाद में उसे उखाड़कर दूसरी जगह लगा दिया जाता है। इस तकनीक में कुशलता से तैयार किए गए खेतों में सीधे बीज बो दिए जाते हैं और इस तरह श्रम लागत की भी बचत हो जाती है।

सीआरआरआई के निदेशक टी. के. आद्या के मुताबिक, एपो नाम के ब्राजील के एरोबिक राइस को दुनिया के सबसे अच्छा एरोबिक राइस माना जाता है। एपो को भारतीय धान के साथ क्रॉसब्रीड करवाकर ऐसी किस्म तैयार की जा रही है जो भारतीय कृषि की पारिस्थितिकी के लिए उपयुक्त हो। इन किस्मों में 40 फीसदी कम पानी का इस्तेमाल होता है और अच्छे प्रबंधन के जरिए यह 4-5 टन धान की उपज हो सकती है। एरोबिक स्थितियों में (बिना स्थिर पानी के) उगाए जाने वाले धान की पैदावार सामान्य तौर पर प्रति हेक्टेयर दो टन से कम होती है। एपो जर्मप्लाज्म समेत एरोबिक धान तैयार करने की लिए ब्रीडिंग सामग्री आरआरआरआई से प्राप्त की गई थी। नई किस्मों से कई का परीक्षण खेत में किया जा चुका है। इनमें से एक किस्म शहभागी धान आईआरआरआई इंडिया सीआरआरआई ब्रीडिंग नेटवर्क के जरिए पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है ताकि सूखा प्रभावित इलाकों में इसकी खेती हो सके। एक किलोग्राम धान के उत्पादन में सामान्यत- तीन से पांच हजार लीटर पानी की दरकार होती है। सीआरआरआई के क्रॉप प्रॉडक्शन डिवीजन के प्रमुख के. एस. राव कहते हैं कि धान की खेती में ऐसे अपव्ययी तरीके से पानी का इस्तेमाल टिकाऊ नहीं होता है।

आईआरआरआई के मुताबिक, धान की खेती में पानी का इस्तेमाल अगर वैश्विक स्तर पर 10 फीसदी कम कर दिया जाए तो गैर-कृषि की जरूरतों के लिए 150 अरब क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध हो सकता है। हालांकि एरोबिक राइस कल्टिवेशन में कुछ निश्चित तकनीकी समस्याएं हैं जिनसे उबरने के लिए खास कदमों की दरकार है। ऐसी ही एक समस्या है बिना खेतों में भरपूर पानी पहुंचाए बोआई करने के बाद प्रचुरता से उग आए खरपतवार। ये खरपतवार वहां मौजूद पोषक तत्त्व का उपभोग करने में फसलों से होड़ लेते हैं और इस तरह से फसलों को पर्याप्त पोषण से वंचित कर देते हैं। फसलों के विकास के शुरुआती 30 दिन की अवधि में यह समस्या खास तौर पर ज्यादा गंभीर होती है। सीआरआरआई वैज्ञानिकों ने खरपतवार के नाश के लिए रसायन इस्तेमाल करने की सिफारिश की है। दूसरी मुख्य समस्या लौह की कमी की है। जब वहां स्थिर पानी नहीं होता है तो वातावरण में मौजूद ऑक्सीजन मिट्टी में उपलब्ध लौह का ऑक्सीजनीकरण कर देती है जिससे लौह पौधों के लिए अनुपलब्ध हो जाता है। यह फसलों की उत्पादकता में कमी ला देता है। इससे निपटने के लिए विशेषज्ञ मिट्टी में आयरन सल्फेट मिलाने की सलाह देते हैं। एरोबिक राइस कल्टिवेशन की बाबत किए गए प्रयोग से जाहिर हुआ है कि बेहतर परिणाम तभी सामने आता है जब लेजर लैंड लेवलिंग मशीन के जरिए खेत को जोता और समतल किया जाता है। इसके साथ ही सीड ड्रिल मशीन की मदद से बीज बोने की दरकार होती है। पर्याप्त दूरी और गहराई के साथ-साथ एक सीध में बीज बोने के लिए मशीन पहले ही विकसित किए जा चुकेहैं। इसे बैल, ट्रैक्टर या पावर ट्रिल के जरिए संचालित किया जा सकता है। बीज बोने में मशीन के इस्तेमाल से कई फायदे मिलते हैं, जिनमें बीजों की बचत, प्रति हेक्टेयर ज्यादा से ज्यादा पौधों को लगाना, खरपतवार में कम से कम लागत और बेहतर उत्पादन शामिल हैं।

कम बारिश या सिंचाई के लिए अपर्याप्त जल की उपलब्धता से पड़ने वाले विपरीत प्रभाव से बचाने में एरोबिक राइस कल्टिवेशन काफी सहायक हो सकता है। यह वैसे इलाकों के लिए भी खासा उपयोगी हो सकता है जहां भूमिगत जल में एक साथ कई फसलें उगाई जाती है मसलन पंजाब के उत्तरी पश्चिमी इलाके, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, साथ ही दक्षिण के कुछ इलाके। अन्यथा ज्यादा दोहन के चलते गिर रहे भूजल स्तर को बचाने के लिए उन इलाकों में धान की खेती त्याग दी जानी चाहिए।

टैंसो मीटर से धान की खेती में पानी की बचत

पंजाब एग्रीकल्चरल यूनीवर्सिटी ने एक ऐसा ही मीटर तैयार कर लिया है जो किसानों को बताएगा कि खेत को कब कितना पानी चाहिए। यह मीटर है टैंसो मीटर, जो पंजाब एग्रीकल्चरल यूनीवर्सिटी महज 300 रुपये में किसानों को उपलब्ध करवा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस मीटर के उपयोग से किसान 25 से 30 फीसदी तक पानी की बचत कर सकते हैं। यूनीवर्सिटी के मिट्टी व भू विभाग के प्रमुख डॉ. अजमेर सिंह सिद्धू के मुताबिक टेंसो मीटर एक छोटा सा पाइपनुमा मीटर है। इसे 15 से 20 सेंटीमीटर जमीन में गाड़ दिया जाता है। पाइप के एक सिर पर पोरस कप नाम का उपकरण लगाया जाता है। पाइप पर हरे व पीले रंग की पट्टी हैं। पानी का स्तर जब दोनों पट्टियों के बीच में होता है तो किसान को यह संकेत मिल जाता है कि खेत में पानी की कमी है। उसे बेवजह पानी देने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

धान उत्पादक राज्यों में किसानों को अच्छी फसल उगाने के लिए खेत में पर्याप्त पानी भरा रखना जरूरी होता है। जबकि पानी की कमी के कारण इसमें मुश्किलें आ रही हैं। धान उगाने के लिए सिंचाई के पानी पर किसानों को काफी खर्च करना पड़ता है। आवश्यकता से ज्यादा पानी खेत में होने से न सिर्फ किसानों की लागत बढ़ जाती है बल्कि पानी का बर्बादी भी होती है। पंजाब व हरियाणा जैसे राज्यों में सिंचाई के लिए जमीन से पानी का अत्यधिक दोहन होने के लिए भूजल स्तर बहुत नीचे चला गया है। यह समस्या सरकार के सामने भी आ रही है। ऐसे में पानी के किफायती इस्तेमाल की जरूरत है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा ही उपकरण बनाया है जिससे धान के खेत में पर्याप्त पानी होने की जानकारी किसानों को मिल जाएगी। इससे पानी का सही उपयोग हो सकेगा और किसानों की सिंचाई लागत भी घटेगी। धान की रोपाई का सीजन शुरू हो चुका है। किसानों ने रोपाई के लिए खेत तैयार करने के मकसद से सिंचाई शुरू कर दिए हैं। इस साल बारिश में देरी हो रही है। ऐसे में नहरी पानी उपलब्ध न होने पर जमीन से पानी निकालना किसानों के लिए एकमात्र साधन रह गया है। ऐसे किसानों ने अपने ट्यूबवैलों से सिंचाई शुरू कर दी है। किसान अपने खेतों में तब तक सिंचाई करते रहेंगे जब तक उन्हें खेत में पर्याप्त पानी होने का भरोसा न हो जाए। लेकिन कई बार अनजाने में किसान जरूरत से ज्यादा पानी खेत में भर देते हैं।

स्थिति यह है कि इससे जमीन के पानी का अत्यधिक दोहन हो रहा है। इसके कारण पानी का स्तर लगातार नीचे जा रहा है। सिंचाई के लिए कब कितने पानी की जरूरत है, अब यह तकनीकी ढंग से किसानों को पता चल जाएगा। पंजाब एग्रीकल्चरल यूनीवर्सिटी ने एक ऐसा ही मीटर तैयार कर लिया है जो किसानों को बताएगा कि खेत को कब कितना पानी चाहिए। यह मीटर है टैंसो मीटर, जो पंजाब एग्रीकल्चरल यूनीवर्सिटी महज 300 रुपये में किसानों को उपलब्ध करवा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस मीटर के उपयोग से किसान 25 से 30 फीसदी तक पानी की बचत कर सकते हैं। यूनीवर्सिटी के मिट्टी व भू विभाग के प्रमुख डॉ. अजमेर सिंह सिद्धू के मुताबिक टेंसो मीटर एक छेटा सा पाइपनुमा मीटर है। इसे 15 से 20 सेंटीमीटर जमीन में गाड़ दिया जाता है। पाइप के एक सिर पर पोरस कप नाम का उपकरण लगाया जाता है। पाइप पर हरे व पीले रंग की पट्टी हैं। पानी का स्तर जब दोनों पट्टियों के बीच में होता है तो किसान को यह संकेत मिल जाता है कि खेत में पानी की कमी है। उसे बेवजह पानी देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि यह उपकरण तभी प्रभावी होगा, जब इसे लगाने से करीब पंद्रह दिन पहले खेत में पानी भरा जाए।

डॉ. सिद्धू के मुताबिक इस यंत्र की बाजार में कीमत करीब 3000 रुपये है जबकि यूनीवर्सिटी इसे सीधे किसानों तक महज 300 रुपये में दे रही है। राज्य में जिस तरह धान से पानी का स्तर नीचे गिर रहा है उसे रोकने के लिए यह उपकरण काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इस उपकरण के बार में किसानों को पूरी जानकारी भी दी जा रही है। डॉ. सिद्धू के मुताबिक कई बार ऐसी जमीन रहती है जहां पर पानी का ठहराव कम हो पाता है। ऐसे में किसानों को लगातार पानी देते रहना पड़ेगा। इस यंत्र के बिना किसान कई बार लापरवाही में आवश्यक सिंचाई नहीं करते हैं या फिर कई बार खेतों में पानी इतना ज्यादा दे देते हैं कि वह फसल को फायदा पहुंचाने की बजाए नुकसान पहुंचाने लगता है। यूनीवर्सिटी ने किसानों की इन्हीं समस्याओं को देखते हुए टैंसो मीटर जैसा उपकरण तैयार किया है।

यूनीवर्सिटी के वैज्ञानिक डॉ. जी.एस मांगट के मुताबिक धान की फसल के लिए प्रति एकड़ करीब 10 हजार क्यूबिक मीटर पानी का उपयोग हो रहा है। किसान औसतन धान के सीजन में 15 बार सिंचाई करते हैं। किसानों को तकनीकी रूप से ऐसी कोई जानकारी नहीं रहती है कि उन्हें सिंचाई के लिए कब कितना पानी उपयोग करना चाहिए। पानी का ज्यादा उपयोग भी फसल के लिए नुकसानदायक ही रहता है।

इसलिए किसानों को टैंसो मीटर जैसे उपकरण का उपयोग करना चाहिए ताकि गिरते भूजल को बचाया जा सके। पंजाब में हर साल डेढ से दो फीट तक पानी का स्तर नीचे गिर रहा है। जिसका नतीजा यह है कि बड़ी संख्या में किसानों को अपने ट्यूबवैल भी ज्यादा गहरे करवाने पड़ रहे हैं। जिन पर भारी भरकम खर्च आ रहा है।

मुख्यमंत्री ने पाटण में निर्माणाधीन वीर मेघमाया मंदिर स्मारक के किए दर्शन

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को पाटण जिले के दौरे के दौरान निर्माणाधीन वीर मेघमाया स्मारक के भी दर्शन किए। गुजरात की ऐतिहासिक पुरातन राजधानी पाटण की जनता, पशु-पक्षी और प्रकृति के संरक्षण के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान शहीद वीर मेघमाया के मंदिर स्मारक का दौरा कर मुख्यमंत्री ने कृतज्ञता का अनुभव किया। गुजरात के इतिहास में अमर हो चुके सामाजिक समरसता के प्रतीक महान शहीद वीर मेघमाया के भव्य बलिदान को उजागर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में इस भव्य मंदिर एवं अद्यतन स्मारक का निर्माण कार्य जोरों से चल रहा है। गुजरात राज्य पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड 11 करोड़ रुपए की भारी लागत से इस स्मारक का निर्माण कर रहा है। मुख्यमंत्री ने इसकी कार्य प्रगति की जानकारी ली। वीर मेघमाया विश्व मेमोरियल फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर पाटण द्वारा इस अवसर पर मुख्यमंत्री को शक्कर से तौला गया। वीर मेघमाया विश्व मेमोरियल फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर पाटण के चेयरमैन और अहमदाबाद पश्चिम के सांसद डॉ. किरीटभाई सोलंकी ने मेघमाया के बलिदान को याद कर स्मारक के विकास के लिए राज्य सरकार के उदार योगदान की सराहना की। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीप परमार, भाजपा प्रदेश महामंत्री रजनीकांत पटेल, अग्रणी बलवंतसिंह राजपूत, नंदाजी ठाकोर, दशरथजी ठाकोर सहित कई पदाधिकारी, कलक्टर सुप्रीत सिंह गुलाटी, जिला विकास अधिकारी रमेश मेरजा, पुलिस अधीक्षक अक्षयराज मकवाणा सहित कई अधिकारी और नगरजन उपस्थित थे।

वीर मेघमाया के बलिदान का संक्षिप्त इतिहास

लगभग 1000 वर्ष पूर्व गुजरात की राजधानी पाटण थी। प्रतापी राजा सिद्धराज जयसिंह सोलंकी का शासन सुदूर मालवा तक फैला था। लगातार कई वर्षों तक अकाल पड़ने की वजह से राज्य की जनता बिना पानी के परेशान भटक रही थी। ऐसे में राजा सिद्धराज ने पाटण में सहस्त्र लिंग सरोवर का निर्माण शुरू किया। शिवभक्त होने के कारण राजा ने तालाब के किनारे 1008 शिवलिंग के साथ शिवालय का निर्माण कराया। दुर्भाग्य से सहस्त्र लिंग सरोवर का काम पूरा होने के बाद भी उसमें पानी नहीं भरा। इस बारे में पंडितों से पूछने पर पता चला कि राजा पर सती जसमा ओडण का श्राप होने के कारण पानी नहीं भरा है। समस्या के निराकरण के लिए पंडितों ने सुझाव दिया कि सरोवर में बत्तीस लक्षण वाले पुरुष के बलिदान देने पर ही पानी भरेगा। ऐसे पुरुष की खोज करने पर पता चला कि धोलका के रनोड़ा गांव में वणकर परिवार में पैदा हुआ युवा वीर मेघमाया इसके लिए उपयुक्त था। वीर मेघमाया ने जनता की वेदना को दूर करने के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने की सहर्ष तैयारी बताई। राजा ने पूरे राजकीय सम्मान के साथ वीर मेघमाया को पाटण आमंत्रित किया। उस समय समाज में छूआछुत की बुराई चरम स्तर पर थी। तब वीर मेघमाया ने राजा के समक्ष अपने समाज को न्याय दिलाने के लिए गले में मटकी, पीछे झाड़ू, तुलसी की पूजा पर रोक, पवित्र वृक्ष पीपल की पूजा पर रोक तथा गांव के बाहर निवास करने जैसी कुरीतियों को दूर करने की मांग की। सामाजिक न्याय के लिए 1000 वर्ष पहले उठाई गई यह मांग इतिहास में बेजोड़ है।

सूरत भूमि, सूरत। वार्ड नंबर 27 के राजनीती भीष्म पितामह कहे जाने वाले सुभाष पाटिल को लिंबायत विधानसभा का कन्वीनर एवं समाजसेवी शंकर भाई गिरासे को लिंबायत विधानसभा का सहयोग चार्ज की जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी ने सौंपी है। इसकी जानकारी वार्ड नंबर 27 के पार्षद भाईदास पाटील को मिली जिसके बाद पार्षद भाई दास पाटिल एवं शिक्षण समिती के सभ्य शुभम उपाध्याय, शंकर दूबे एवं तमाम कार्यकर्ताओं द्वारा सुभाष भाई पाटिल का जोरदार स्वागत किया गया इस कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया सभी ने सुभाष भाई पार्टी को शुभकामनाएं दी।

3 नपा और 1 मनपा को जलापूर्ति योजना के 42.73 करोड़ के कार्यों को सैद्धांतिक मंजूरी

अहमदाबाद।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के जनहितकारी दृष्टिकोण से 3 नगर पालिकाओं और 1 महानगर पालिका के लिए कुल 42.73 करोड़ रुपए की जलापूर्ति योजना के कार्यों के लिए एक ही दिन में सैद्धांतिक मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने इन नगरों में आगामी 30 वर्ष यानी 2051-52 तक की आबादी की पानी की जरूरतों के अनुमान के आधार पर शहरी विकास विभाग द्वारा प्रस्तुत किए गए इन योजनाओं के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। भूपेंद्र पटेल द्वारा शहरी विकास विभाग के मार्फत मिले विभिन्न जलापूर्ति कार्यों के प्रस्ताव को मंजूरी देने से अब इन नगर पालिकाओं में फिल्टर प्लांट, भूमिगत संप, ग्रेविटी मेन, राइजिंग मेन, पंपिंग मशीनरी, पंप रूम और नल कनेक्शन जैसे जलापूर्ति के विभिन्न कार्य संबंधित नगर पालिकाएं शुरू करेंगी। स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने 3 नगर पालिकाओं एवं 1 महानगर पालिका के लिए कुल मिलाकर 42.73 करोड़ रुपए जलापूर्ति योजना के कार्यों के लिए आवंटित करने की मंजूरी दी है। इसके अंतर्गत झालोद नगर पालिका के लिए 14.16 करोड़ रुपए, चलाला के लिए 3.40 करोड़ रुपए और माणसा नगर पालिका के लिए 4.32 करोड़ रुपए तथा जूनागढ़ महानगर पालिका के जोन 3 के लिए 20.85 करोड़ रुपए की रकम का समावेश होता है। नगरों एवं महानगरों में रहने वाले नागरिकों को नियमित रूप से और पर्याप्त मात्रा में जलापूर्ति सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के साथ 'नल से जल' के अंतर्गत राज्य की इन 3 नगर पालिकाओं सहित कुल 57 नगर पालिकाओं के लिए अब तक स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत 766 करोड़ रुपए जलापूर्ति के विभिन्न कार्यों के लिए राज्य सरकार ने मंजूर किए हैं।

मंगलवार को भाजपा में शामिल होंगे जयराजसिंह, कांग्रेस को बताया माल बगैर का शो रूम

अहमदाबाद।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता जयराजसिंह परमार आगामी मंगलवार को भाजपा में शामिल हो जाएंगे। हाल ही में पार्टी से इस्तीफा देनेवाले जयराजसिंह परमार ने कांग्रेस को बगैर माल का शो रूम बताया। जारी वर्ष के अंत में होनेवाले गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस में टूट का सिलसिला शुरू हो गया है। गत बुधवार को मेहसाणा जिले के 200 जितने नेता और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ भाजपा जॉइन कर ली थी। दूसरे दिन गुरुवार को गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता जयराजसिंह परमार ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस में गुटबंदी का आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ने वाले जयराजसिंह परमार आगामी मंगलवार को भाजपा में शामिल हो जाएंगे। परमार ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। भाजपा में शामिल होने की जानकारी देने के बाद जयराजसिंह ने मीडिया से बातचीत में कांग्रेस पर कड़े प्रहार किए।

परमार ने कहा कि मैं नई पारी जरूर शुरू करने जा रहा हूं, लेकिन पुरानी यादें दिल में बरकरार रहेंगी। कांग्रेस के लाखों लोग जब यह कहते हैं कि जयराजसिंह गए, तो काफी दुःख होता है। ऐसे सभी लोगों से माफी मांगना चाहता हं। जयराजसिंह परमार ने कहा कि कांग्रेस में रहते हुए मैं लोगों के दिलों तक पहुंचा, परंतु बड़े नेताओं के साथ रहने के बावजूद मेरे साथ केवल सेल्फी ली जाती थी। कांग्रेस केवल 5 लोगों की पार्टी है और ये 5 लोग समितियां बनाकर खुद ही उसमें बैठ जाते हैं। कांग्रेस को केवल नकारात्मक वोट चाहिए, उसका अपना कोई विजन नहीं है। फिलहाल कांग्रेस की स्थिति माल बगैर के शो रूम जैसी हो गई है। आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अगर एक भी सीट नहीं जीतती है तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मेरे पास 3 वर्ष से कोई काम नहीं है और कांग्रेस नेतृत्व के पास कोई समझ नहीं है। जिन लोग राजनीति की एबीसीडी नहीं जाते हैं, ऐसे लोग पार्टी में बैठे हैं। कांग्रेस में मुझे उचित सम्मान नहीं मिला। जबकि गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने मान-सम्मान दिया है। अब लोग जयराजसिंह का नया अंदाज देखेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने किया राधनपुर में निर्माणाधीन फिल्ट्रेशन प्लांट का दौरा

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को राधनपुर में जलापूर्ति विभाग की राधनपुर समूह योजना के अंतर्गत 60 एमएलडी क्षमता के निर्माणाधीन फिल्ट्रेशन प्लांट का दौरा किया। उन्होंने नर्मदा केनाल आधारिक बी.के.3 (पी-2) समूह योजना के अंतर्गत तैयार किए जा रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी), आसीसी और संप सहित अन्य व्यवस्थाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा कर जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। फिल्ट्रेशन प्लांट की साइट पर जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों ने श्री पटेल को नक्शे और आंकड़ों की दृष्टि से कार्य प्रगति की ब्यौरा दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने निर्माणाधीन फिल्ट्रेशन प्लांट का निरीक्षण कर और अधिक जानकारी हासिल करने के साथ ही कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने का अनुरोध किया। राधनपुर में 77.77 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रही राधनपुर और सांतलपुर समूह जलापूर्ति योजना की राधनपुर समूह योजना से तहसील के 65 गांव, 02 परा यानी उपनगरीय क्षेत्र और राधनपुर शहर के कुल मिलाकर 1.74 लाख नागरिकों को पाइपलाइन के माध्यम से समय पर और पर्याप्त शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। वर्ष 2020 में 19.49 एमएलडी क्षमता में बढ़ोतरी कर वर्ष 2050 तक 32.84 एमएलडी तक पहुंचाने का आयोजन है। कुल 251.05 किमी लंबी पाइपलाइन में से 315 मिमी से 90 मिमी व्यास वाली 213.30 किमी लंबी डिस्ट्रिब्यूशन पाइपलाइन तथा 600 मिमी से 250 मिमी व्यास वाली डी.आई.के. 37.75 किमी की राइजिंग मेन पाइपलाइन के नेटवर्क के मार्फत जल वितरण की इस व्यवस्था का अभी 74 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है और आगामी अगस्त महीने तक इसे पूर्णत: कार्यान्वित कर दिया जाएगा। बी.के.3 (पी-2) समूह योजना के अंतर्गत राधनपुर और सांतलपुर तहसील के लिए 100 लाख लीटर, राधनपुर शहर के लिए 50 लाख लीटर के अलावा धरवडी हेडवर्क्स में 05 लाख लीटर तथा गोतरका में 07.50 लाख लीटर क्षमता के भूगर्भ संप तैयार किए जा रहे हैं। वहीं, धरवडी, सातुन, गोतरका और दैसर हेडवर्क्स में क्रमश: 2.5 लाख लीटर, 3 लाख लीटर, 3 लाख लीटर तथा 5 लाख लीटर की संग्रहण क्षमता वाली 20 मीटर ऊंची टंकियां भी तैयार की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि अभी राधनपुर तहसील के इन गांवों में पाताल कुआं आधारित जलापूर्ति की जा रही है। परन्तु इस पानी में फ्लोराइड, नाइट्रेट तथा टीडीएस की मात्रा अधिक होने के कारण पानी पीने के लायक नहीं रहा। इस समस्या के स्थायी हल के लिए राज्य सरकार ने नर्मदा केनाल आधारित बी.के.3 (पी-2) समूह जलापूर्ति योजना मंजूर की गई थी। वर्तमान में राणकपुर स्थित 50 एमएलडी क्षमता के शुद्धिकरण प्लांट में पानी को शुद्ध करने के बाद पहुंचाया जाता है। इस योजना के तहत सातुन में नया 60 एमएलडी क्षमता का फिल्टर प्लांट लगाकर राधनपुर तहसील के गांवों तथा राधनपुर शहर को सरकार के प्रचलित मानदंडों के अनुसार नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति करने का आयोजन किया गया है।

राधिका ज्वेलटेक लिमिटेड का वित्तीय वर्ष 2022 के नौ महीने का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 83% बढ़ा

सूरत।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध, राधिका ज्वेलटेक लिमिटेड (बीएसई: 540125) एक प्रसिद्ध रिटेल आभूषण कंपनी है, जो उत्कृष्ट सोने के गहनों और हीरे जड़ित गहनों सहित उच्च श्रेणी के पारंपरिक गहनों का कारोबार करती है और उत्कृष्ट परिणामों की घोषणा के साथ विकास पथ पर है।

31 दिसंबर 2021 को समाप्त तिमाही के लिए, परिचालन से आय बढ़कर 92 करोड़ रुपये हो गई, जो त्रैमासिक स्तर 41% की वृद्धि है। कर अदायगी के बाद लाभ (PAT) 8.40 करोड़ रुपये (वित्तीय वर्ष 2022 के दूसरे तिमाही) से बढ़कर 11.27 करोड़ रुपये (वित्तीय वर्ष 2022 के तीसरे तिमाही) हो गया, जो 34त्न त्रैमासिक स्तर की वृद्धि है।

31 दिसंबर 2021 को समाप्त 9 महीनों के लिए, आय 82.45 करोड़ रुपये (वित्तीय वर्ष 2021 के नौ महीने) से 120% बढ़कर 181.57 करोड़ रुपये (वित्तीय वर्ष 2022 के नौ महीने) हो गया। कर अदायगी के बाद लाभ (PAT) 83% वार्षिक स्तर पर बढ़कर 22.61 करोड़ (वित्तीय वर्ष 2022 के नौ महीने) हो गया।

कंपनी के प्रेरक शक्ति श्री अशोक जुजुवाडिया ने 1987 में राधिका ज्वैलर्स की नींव रखी। तब से राधिका ज्वेलटेक लिमिटेड ने तेजी से विकास का अनुभव किया है और अपने शुरुआती चरणों में राजकोट शहर के सोनी बाजार में एक छोटी सी दुकान से एक विशाल 2500 वर्ग फुट का शोरूम तक विस्तार किया है, जो अब राजकोट शहर के पैलेस रोड पर स्थित है। राधिका ज्वेलटेक लिमिटेड की सफलता का श्रेय उनके ग्राहक केंद्रित सिद्धांत, गहनों के गुणवत्ता मानकों, अत्यधिक मूल्यवान ग्राहकों को प्रदर्शित सर्वोत्तम डिज़ाइन, कर्मचारियों के उत्कृष्ट बिक्री कौशल को दिया जा सकता है। यह संयोजन हर जगह एक वफादार ग्राहक आधार सुनिश्चित करता है।

आज कतारगाम लक्ष्मी एन्क्लेव में महिलाओं के सभी रोगों के लिए विशेष अस्पताल क्लाउड-7 महिला अस्पताल का उद्घाटन हुआ

सूरत भूमि, सूरत।

कतारगाम क्षेत्र के गजेरा स्कूल के पास लक्ष्मी एन्क्लेव में क्लाउड-7 महिला अस्पताल शुरू किया गया है। अस्पताल के उद्घाटन समारोह में सांसद सीआर पाटिल, मंत्री वीनू मोरदिया समेत कई हस्तियां मौजूद रहीं.

अस्पताल के उद्घाटन समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के नेताओं ने भाग लिया। इस क्लाउड-7 महिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में गर्भवती महिलाओं की नॉर्मल, वैक्यूम और दर्द रहित डिलीवरी के साथ ही सिजेरियन डिलीवरी भी की जाएगी। अस्पताल हाई रिस्क प्रेग्नेंसी एंड मैनेजमेंट, एडवांस्ड लैप्रोस्कोपी सेंटर, अल्ट्रा सोनोग्राफी, गायनोकोलॉजी सर्जरी, आईवीएफ, गाइनेकोमा कैंसर स्क्रीनिंग सहित विभिन्न उपचारों की पेशकश करेगा। इसके अलावा इस अस्पताल में चौबीसों घंटे आपातकालीन उपचार भी उपलब्ध है।

सी.आर. पाटिल पाटिल के हाथों से आज अत्याधुनिक नवेली अस्पताल का उद्घाटन किया गया

सूरत भूमि, सूरत। नवेली अस्पताल, न्यू सिटीलाइट रोड, सूरत का भव्य उद्घाटन रविवार को सुबह 9 बजे हुआ, जिसके लिए सूरत शहर के सभी मौबियों को आमंत्रित करते हुए नवेली अस्पताल के निदेशकों को बहुत खुशी हुई.

अस्पताल का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री सी.आर. पाटिल, (अध्यक्ष भाजपा गुजरात) की उपस्थिति में किया गया।

उद्घाटन के अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के अलावा श्रीमती. संगीताबेन पाटिल, विधायक; श्री परेश पटेल, स्थायी समिति के अध्यक्ष, श्री किशोरभाई बिंदल, महासचिव, भाजपा सूरत; श्री अमित सिंह राजपूत, शासक दल के नेता, डॉ. महेंद्रसिंह चौहान, सिंडीकेट सदस्य, वीएनएसजीयू, सूरत।

उपरोक्त सभी गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और नए अस्पताल की सफलता की कामना की।

उन्होंने यह भी कहा कि इस अस्पताल की स्थापना इस अस्पताल के सभी डॉक्टर मित्रों की टीम द्वारा सूरत शहर के स्वास्थ्य में सुधार और किसी भी प्रकार की बीमारी का निदान करने के लिए की गई है ताकि रोगी स्वस्थ तरीके से अपने परिवार के पास जा सके।.

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)